अब हर रोज दर्पण
⏵ 3

जबलपुर मंगलवार 15 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, चतुर्थी

वर्ष 32 अंक 78 मूल्य ₹3.00 > पेज 08 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 30.3°C
न्यूनतम तापमान 24.0°C
सूर्योदय - 5.57 | सूर्यास्त - 6.14

घर-घर विराजे प्रथम पूज्य गणपति... ⏵ 2

मनीष त्रिपाठी बने सतना के नए सीएसपी... ⏵ 5

पंचायत मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल परिक्रमा पुस्तक विमर्श... ⏵ 7

पाक की नई चाल: अपने ही पाले आतंकी पर घोषित किया 70 लाख का इनाम

नई दिल्ली

पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को फरार घोषित करते हुए उस पर इनाम बढ़ाकर 70 लाख पाकिस्तानी रुपये कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय जांच से बचने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। एफआईए की नयी रेड बुक में मसूद अजहर को मोस्ट वांटेड आतंकवादियों की सूची में रखा गया है। वर्ष 2021 में उस पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये का इनाम घोषित किया गया था, जिसे अब 20 लाख रुपये बढ़ाया गया है। पाकिस्तान 2021 से दावा करता रहा है कि मसूद अजहर उसके यहां नहीं है और अफगानिस्तान भाग गया है। वहीं, भारतीय खुफिया एजेंसियों के पिछले छह महीने के तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के नवाबशाह शहर में छिपा है। रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान की ओर से यह दिखावटी कार्रवाई अक्टूबर में होने वाली वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की पूर्ण बैठक से पहले की गयी है। पाकिस्तान की कोशिश है कि वह दोबारा ग्रे लिस्ट में जाने से बच सके। कार्रवाई से बचने और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने के लिए पाकिस्तान ने 2021 में दावा करना शुरू किया था कि मसूद अजहर अब उसके देश में नहीं है और अफगानिस्तान भाग गया है। उसी साल एफआईए ने उस पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये का इनाम घोषित किया था। पांच साल बाद अब यह इनाम बढ़ाकर 70 लाख पाकिस्तानी रुपये कर दिया गया है। नयी रेड बुक में 26/11 मुंबई हमलों से जुड़े 19 आतंकियों के नाम भी हैं। इनमें हमलावरों के लिए नौका की व्यवस्था करने, उन्हें वित्तीय मदद देने और अन्य कामों में शामिल लोग हैं।

साझा की 17 आतंकियों की तस्वीरें

इनमें से 17 आतंकियों के नाम के साथ उनकी तस्वीरें और भूमिका भी दर्ज हैं। सूची में 26/11 हमलों के लिए समुद्री रास्ते की व्यवस्था करने वाले लश्कर-ए-तैयबा के 11 आतंकवादियों के नाम हैं। इनमें मुहम्मद अमजद खान, शाहिद गफूर, मोहम्मद उस्मान, अतीक-उर-रहमान, रियाज अहमद, मुहम्मद मुश्ताक, मुहम्मद नईम, अब्दुल शकूर, मुहम्मद साबिर सल्फी, मुहम्मद उस्मान और शकील अहमद प्रमुख हैं। इसके अलावा हमलों के लिए आर्थिक मदद देने वाले छह आतंकियों के नाम भी सूची में हैं।

18 साल से फरार हैं सभी 17 आतंकी

एफआईए के अनुसार 26/11 हमलों से जुड़े सभी 17 आतंकी 18 साल से फरार हैं , हालांकि भारतीय खुफिया सूत्रों के अनुसार ये सभी अब भी पाकिस्तान में हैं। एफआईए की मोस्ट वांटेड सूची में इन आतंकवादियों के नाम डालना अंतरराष्ट्रीय जांच को भटकाने का प्रयास है। पाकिस्तान की रेड बुक में मोस्ट वांटेड आतंकवादियों की संख्या भी बढ़ी है। वर्ष 2021 में यह संख्या 1,330 थी, जो नयी सूची में बढ़कर 1,804 हो गयी है। यानी पांच साल में इसमें 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है हिन्दी: अमित शाह

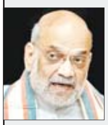

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि हिन्दी किसी भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच आत्मीय संवाद और राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है। श्री शाह ने हिन्दी दिवस पर अपने संदेश में सोमवार को कहा कि हिंदी का विकास तभी सार्थक है, जब वह सभी भारतीय भाषाओं के सम्मान, संरक्षण और संवर्धन के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोकपरंपरा और जीवन-दृष्टि लेकर चलती है। हिंदी ने इसी विविधता के बीच संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के रूप में देश के विभिन्न वर्गों और समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तरुण तेजपाल ने गोवा कोर्ट में किया सरेंडर

नई दिल्ली। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की मापुसा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जेल जाते समय तेजपाल ने कहा, मामला सुप्रीम कोर्ट में है। हमें यकीन है कि न्याय मिलेगा। कोर्ट ने उन्हें नॉर्थ गोवा की कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया, जहां उन्हें 10 साल की सजा काटनी है। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर से छूट की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 22 सितंबर को उनकी अपील पर सुनवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले अब सुनकर भी समझ सकेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी दिवस के मौके पर जल्द 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत कोर्ट के बड़े फैसलों और आदेशों का सार आसान हिंदी में छोटे ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। यानी जिन लोगों को कानूनी भाषा में लिखे फैसले पढ़ने और समझने में परेशानी होती है, वे उन्हें सुनकर और देखकर भी समझ सकेंगे। इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को आम लोगों की समझ में लाना है। जन सूचना सेवा की शुरुआत हिंदी से होगी और बाद में यह सेवा दूसरी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी। कोर्ट ने इस पहल में दिव्यांगजनों तक न्यायिक जानकारी की आसान पहुंच को भी खास महत्व दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रेस रिलीज जारी कर जन सूचना सेवा की जानकारी दी।

छात्रों की गूंज में बड़ी संख्या में जुड़ने की अपील

नई दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होने वाले छात्रों की गूंज कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जुड़ने का छात्रों से आग्रह करते हुए कहा है कि शिक्षा व्यवस्था से परेशान युवा इस कार्यक्रम के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद कर सकते हैं। राहुल ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 19 सितंबर को इंदौर आ रहा हूं- छात्रों से मिलने, आपको सुनने, आपसे बात करने। उन्होंने कहा कि यदि छात्र या उनके अपने लोग देश की शिक्षा व्यवस्था से परेशान हैं और चाहते हैं कि हालात बदलने चाहिए।

सूचना

स्वतंत्र मत के समस्त प्रतिनिधियों, पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि तकनीकी कारणवश स्वतंत्र मत का आज का अंक 08 पृष्ठों का ही प्रकाशित हो सका है। आपको हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

– संपादक

होर्मुज ही नहीं...तेल के तीन रास्ते बंद

नई दिल्ली

भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देशों में शामिल है। रूस के अलावा हम खाड़ी देशों से अधिकांश जरूरत का कच्चा तेल आयात करते हैं, लेकिन खाड़ी देशों में चल रही उथल-पुथल ने लगातार सप्लाई को प्रभावित किया है। फरवरी के बाद से ही ईरान और अमेरिका के युद्ध के कारण तेल सप्लाई का जरूरी समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया गया था, जिसके बाद से लगातार इस रास्ते से शिपमेंट बाधित हुआ है। अब अन्य रास्तों पर भी अड़चन आ गई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनियाभर में तेल सप्लाई के प्रमुख रास्तों में से एक है। यहां से पूरी दुनिया की तेल आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। अब दूसरी ओर हूती विद्रोही भी ताबड़तोड़ हमलों के साथ बाब अल मंदेब पर कंट्रोल के कगार पर पहुंच चुके हैं, जो तेल आपूर्ति का एक और जरूरी रास्ता है। इन दोनों रास्ते पर लंबे समय से तनाव का माहौल था। अब सऊदी अरब ने एक और जरूरी सप्लाई सिस्टम को बंद कर दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर लगातार ड्रोन हमलों के चलते देश का प्राइमरी बाईपास ऑयल रूट भी बंद हो गया है। इन तीनों जरूरी तेल के रास्तों का बंद होना दुनियाभर के लिए परेशान करने वाली खबर है। सऊदी दुनिया के बड़े तेल उत्पादक देशों में शामिल है। वो समुद्री पाइपलाइन के माध्यम से दुनिया के कई देशों में तेल की सप्लाई करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सउदी अरब की ये मुख्य पाइपलाइन लगभग 1,200 किलोमीटर लंबी है, जिसके सहारे वे होर्मुज पर निर्भर हुए बिना अरब प्रायद्वीप के पार लाल सागर के यानबू बंदरगाह तक रोजाना करीब 40 लाख से 50 लाख बैरल तेल की आपूर्ति करती है। यह मात्रा ग्लोबल तेल सप्लाई का करीब 4 प्रतिशत से 5 प्रतिशत है। इसे बंद करने पर तेल का संकट और अधिक बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

1990 के बाद सबसे कम प्रोडक्शन

11 सितंबर को ओपेक को ब्रिटेन की ओर से पेश किए गए ताजा आंकडे बताते हैं कि तेल उत्पादन में महीने-दर-महीने लगभग 19 लाख बैरल प्रति दिन की भारी गिरावट देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक ये जुलाई में 81 लाख बैरल प्रति दिन थी, तेल उत्पादन में अचानक आई इस बड़ी गिरावट ने जून में उत्पादन में आई शॉर्ट टर्म बढ़ोतरी को भी खत्म कर दिया है। बता दें कि उस दौरान तेल उत्पादन 71 लाख बैरल प्रति दिन रिकॉर्ड किया गया था। रिपोर्ट से पता चलता है कि सऊदी अरब में तेल उत्पादन 1990 के बाद से सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे ग्लोबल टेंशन बढ़नेके पूरे-पूरे संकेत मिल रहे हैं। सप्लाई संकट के साथ ही तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया जा रहा है, कीमतें लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई हैं।

दुनिया में मचेगा कोहराम!

तेल के तीनों रास्तों में रुकावट का असर अभी से देखने को मिलने लगा है। होर्मुज और बाब अल मंदेब के बाद सऊदी अरब के वैकल्पिक मार्ग के अचानक बंद होने का संबंध कच्चे तेल की कीमतों में आई तीव्र वृद्धि से है, जिससे वैश्विक ईंधन लागत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। ये ग्लोबल महंगाई को बढ़ाने वाली है। बता दें कि अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड 2008 के वित्तीय संकट के बाद से अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुकी है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी का अनुमान है कि इस साल कुल वैश्विक तेल आपूर्ति में 57 लाख बैरल प्रति दिन की कमी देखने को मिल सकती है। और ये भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश समेत तेल आयात करने वाले तमाम देशों में रणनीतिक तेल भंडार की गंभीर कमी के बीच प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर बना सकती है।

पार्टी बदलने वाले सांसद और विधायक पर लगे 10 साल का बैन

कपिल सिब्बल के प्रस्ताव को सीजेपी का समर्थन

नई दिल्ली

सीनियर वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने पैसे या दबाव के चलते राजीनीतिक पार्टी बदलने वाले विधायक और सांसदों पर 10 साल के बैन का प्रस्ताव रखा है। सिब्बल के इस प्रस्ताव का कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने समर्थन किया है। संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दिपके ने इसे समय की जरूरत बताया है। केरल के कोच्चि में 'हॉर्स ट्रेडिंग और लोकतंत्र' पर बोलते हुए सिब्बल ने संविधान की दसवीं अनुसूची में बदलाव की मांग की, ताकि पार्टियों का विलय बड़े पैमाने पर पार्टी छोड़ने का जरिया न बन सके। वरिष्ठ वकील ने बताया कि मौजूदा कानून के तहत, अगर किसी विधायी दल के दो-तिहाई सदस्य दूसरी पार्टी में चले जाते हैं, तो इसे विलय माना जाता है और दल-बदल के कारण उनकी सदस्यता रद नहीं होती। सिब्बल ने इस खामी को दूर करने के लिए दसवीं अनुसूची में संशोधन करने पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विलय का मतलब राजनीतिक पार्टियों का विलय हो, न कि विधायकों का सामूहिक रूप से पार्टी छोड़ना। सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि यह उनके पहले मांग-पत्र के अनुरूप है। उन्होंने कहा, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के उस प्रस्ताव का स्वागत किया जाना चाहिए जिसमें किसी ऐसे सांसद या विधायक पर रोक लगाने की बात कही गई है जो पार्टी 'एक्स' के चुनाव चिह्न पर चुना जाता है और बाद में पैसे या दबाव में पार्टी 'वाय' में शामिल हो जाता है। उन्होंने 10 साल के प्रतिबंध की मांग की है।

सीजेपी के प्रस्ताव में भी शामिल- दास ने आगे कहा कि अभिजीत दिपके द्वारा जारी सीजेपी के पहले मांग-पत्र के पांचवें बिंदु में और भी कड़े उपायों का प्रस्ताव दिया गया था. इसमें कहा गया था कि ऐसे लोगों को 20 साल तक किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने या चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर कसा तंज

'सब चंगा सी' नहीं, 'सब महंगा सी'

नई दिल्ली

कांग्रेस ने थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि वह 'सब चंगा सी' कहते आ रहे हैं, लेकिन असल में 'सब महंगा सी' है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, लगातार चार महीने से डब्ल्यूपीआई महंगाई करीब 10 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। उन्होंने दावा किया कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से करोड़ों परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता ने 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (सीएमआईई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि महंगाई को समायोजित करने के बाद मजदूरी में भी लगातार गिरावट आई है और अप्रैल से इसमें 5.7 प्रतिशत की कमी हुई है। उन्होंने दावा किया कि ग्रामीण भारत में स्थिति और गंभीर है, जहां वास्तविक मजदूरी में नौ प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण मजदूरी में नाममात्र के स्तर पर भी गिरावट दर्ज की गई है। नाममात्र स्तर (नॉमिनल टर्म्स) का अर्थ है बिना महंगाई को जोड़े, हाथ में मिलने वाली सीधी नकदी। रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा, प्रधानमंत्री कहते रहते हैं कि सब चंगा सी, लेकिन असल में सब महंगा सी है।

उज्जैन के विकास को मिल रहा हवाई विस्तार का नया आधार

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन में अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और अन्य यात्रियों के सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए दताना-मताना स्थित हवाई पट्टी को एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह मध्यप्रदेश का 10वां एयरपोर्ट होगा। सिंहस्थ-2028 से पूर्व इसके निर्माण को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। दताना-मताना हवाई पट्टी का विकास केंद्र सरकार की आरसीएस-उड़ान 5.2 योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। इसके लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और राज्य सरकार के बीच एमओयू निष्पादित हो चुका है। परियोजना के लिए लगभग 120 एकड़ शासकीय भूमि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को हस्तांतरित की जा चुकी है।

1800 मीटर रनवे से होगी शुरुआत - दताना-मताना में वर्तमान हवाई पट्टी को 1800 मीटर रनवे के लिए विकसित किया जा रहा है। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रनवे की लंबाई 27 मीटर तक बढ़ाये जाने की योजना है। इससे उज्जैन के लिए हवाई सेवाओं के विस्तार की संभावनाएं बढ़ेंगी और विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों के यात्रा समय में कमी आएगी। सिंहस्थ-2028 उज्जैन के लिए देश और दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक होगा।

खुदरा महंगाई बढ़कर 20 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली (वार्ता)। खाने-पीने की चीजों और रेस्त्रां एवं आवास सेवाओं के दाम बढ़ने से अगस्त में खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 4.82 प्रतिशत पर पहुंच गयी। इस साल जुलाई में खुदरा महंगाई 4.45 प्रतिशत और पिछले साल अगस्त में 3.89 प्रतिशत रही थी। खाद्य खुदरा महंगाई जुलाई 2026 के 5.52 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 5.95 प्रतिशत पर पहुंच गयी। खास बात यह रही कि एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में महंगाई दर शहरी इलाकों की तुलना में अधिक रही। अगस्त में शहरी इलाकों में खुदरा मुद्रास्फीति 5.64 प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों में 6.13 प्रतिशत दर्ज की गयी। खाद्य एवं पेय पदार्थों की महंगाई दर 5.66 प्रतिशत और रेस्ट्रां तथा आवासीय सेवाओं की 8.38 प्रतिशत रही। सोने एवं चांदी के दाम बढ़ने से सौंदर्य प्रसाधन, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य वस्तु एवं सेवा वर्ग की महंगाई दर 15.17 प्रतिशत रही। पान, तंबाकू एवं नशीले पदार्थों की महंगाई दर 4.71 प्रतिशत और परिवहन सेवाओं की 4.60 प्रतिशत रही।

अ | **विमेंस एशिया कप में स्मृति-शेफाली का रिकॉर्ड पार्टनरशिप**

भारत ने पीसीबी चीफ से फिर नहीं ली ट्रॉफी

नई दिल्ली

भारत ने विमेंस एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर 8वीं बार खिताब जीता। हालांकि, प्रेजेंटेशन सेरेमनी में टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के प्रेसिडेंट और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चेयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इस दौरान फैंस ने नकवी को चोर कहकर भी चिढ़ाया। मोहसिन नकवी पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री भी हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत विरोधी बयान दिए थे। इस वजह से 2025 में भारतीय पुरुष टीम ने उनके हाथों एशिया कप की ट्रॉफी नहीं ली थी। अब भारतीय विमेंस टीम ने उसी स्टैंड पर कायम रहते हुए नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। मैच में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी की। टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 32 छक्के लगाए।

'ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला बीसीसीआई का'

भारतीय महिला टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला बीसीसीआई ने लिया है और हम फैसले के साथ हैं। हमारे लिए यह टूर्नामेंट खत्म हो चुका है। हम चैंपियन हैं। हमारे लिए इतना ही काफी है। अब हमारा ध्यान एशियन गेम्स पर है। मुझे टीम के हर खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ पर गर्व है।

बीसीसीआई ने दिए थे दो विकल्प
बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि भारतीय टीम नकवी से ट्रॉफी लेने के पक्ष में नहीं थी। बोर्ड ने प्रेजेंटेशन सेरेमनी के लिए दो विकल्प सुझाए थे। पहले विकल्प में एसीसी के डिप्टी चेयरमैन खालिद अल जरूनी को ट्रॉफी देने का प्रस्ताव था। दूसरे विकल्प में हाल की परंपरा के अनुसार विजेता बोर्ड के प्रतिनिधि से ट्रॉफी दिलाने की बात कही गई थी। नकवी को दोनों विकल्प मंजूर नहीं थे।

खिलाड़ियों ने पानी की बोतल के साथ जश्न मनाया

भारतीय महिला टीम ने एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी की जगह पानी की बोतल के साथ जश्न मनाया। टीम ने प्रेजेंटेशन के दौरान मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया। इसके बाद ग्रुप फोटो के दौरान टीम मेंबर्स ने कप्तान हरमनप्रीत कौर को हाथ में पकड़ी पानी की बोतल ट्रॉफी की तरह उठाने के लिए कहा। हरमनप्रीत ने भी मजाकिया अंदाज में बोतल उठाकर जीत का जश्न मनाया।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
मंगलवार 15 सितंबर 2026

पत्रकार परिषद कार्यालय में विराजे गजानंद

मण्डला (स्वतंत्र मत)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सोमवार को श्रमजीवी पत्रकार परिषद कार्यालय में भगवान श्री गणेश की विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर स्थापना की गई। इस अवसर पर पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल एवं पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भगवान गजानन का पूजन कर उन्हें फल-फूल, नैवेद्य एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। मंत्रोच्चार एवं धार्मिक वातावरण के बीच भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। गणेश स्थापना के अवसर पर कार्यालय में श्रद्धा और भक्ति का माहौल नजर आया। उपस्थित सदस्यों ने भगवान गणेश से सभी के सुख समृद्धि एवं मंगल की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत भगवान श्री गणेश की आरती की गई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। श्रमजीवी पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने बताया कि पत्रकार परिषद कार्यालय में पिछले लगभग 11 वर्षों से लगातार भगवान श्री गणेश की स्थापना की जा रही है। गणेश उत्सव के दौरान प्रतिदिन विधि-विधान से भगवान गणेश का पूजन-अर्चन और आरती की जाती है। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजा जाता है। गणेश उत्सव के माध्यम से सभी पत्रकार साथियों एवं उनके परिवारों के साथ-साथ जिलेवासियों के सुख-शांति और समृद्धि की कामना की जाती है।

आज पटवारी संघ देगा ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन 2026 के तहत पटवारियों को सौंपे जा रहे ई-केवाईसी निष्पादन पंजीयन सहित अन्य व्यक्तिगत दायित्व वाले कार्यों को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। संगठन ने इन कार्यों को पटवारी संवर्ग से पूरी तरह अलग रखने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनात्मक रुख अपनाया है। पटवारी संघ के अनुसार 12 सितंबर को आयोजित गूगल मीट में जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णय के तहत 15 सितंबर को दोपहर 1 बजे प्रदेश के सभी जिलों में जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

आलोक संघ की बैठक आयोजित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। महिष्मति घाट स्थित गोंडी पब्लिक ट्रस्ट भवन पर जिला लोधी क्षत्रिय समाज एवं आलोक संघ की बैठक आयोजित की गई बैठक में समाज के विकास और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 20 दिसंबर को लोधी प्रतिभा सम्मान एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा समारोह के दौरान प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और उत्कृष्ट कार्य करने वाली हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही समाज के अधिक से अधिक बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में कराने नवोदय जागृति अभियान के तहत 25 अक्टूबर को ऑफलाइन टेस्ट परीक्षा की तैयारीयों की भी समीक्षा की गई समाज को गतिमान बनाए रखने एवं कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर आगामी बैठकें निम्नानुसार निर्धारित की गई है। 20 सितंबर मधुपूरी, 27 सितंबर पिंडरई 4 अक्टूबर नारायणगंज एवं जहर मऊ, 25 अक्टूबर निवास 11 नवंबर बिछिया और 15 नवंबर को मंडला उक्त सभी बैठकें दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगी समाज के सभी जनों से अपने क्षेत्र की निर्धारित बैठकों में सम्मिलित होने का आग्रह किया गया है।

फर्जी आदेश से हो गए थे अटैच

कलेक्टर के सख्त आदेश से शिक्षकों में खलबली, जहां-तहां लगा रहे जुगाड़

मण्डला (स्वतंत्र मत)। इन दिनों फर्जी आदेश के तहत जिला मुख्यालय के शासकीय स्कूलों में अटैच किए गए। शिक्षक काफी परेशान बताए जा रहे हैं और आदेश को निरस्त कराने को लेकर जहां तहां जुगाड़ लगा रहे हैं लगभग एक हजार शिक्षक प्रभावित बताए जाते हैं। मजेदार बात यह है कि इन शिक्षकों को संरक्षण देने वाले नेता अभिनेता और शिक्षक संगठनों के कर्ताधर्ता भी अब उन्हें नही बचा पा रहे हैं। लंबे समय से इस फर्जी आदेश के तहत मुख्यालय से लगी शासकीय स्कूलों में अटैच होकर बिना कामधाम किए ही हराम का वेतन ले रहे थे। अधिकांश शिक्षक या तो निजी कोचिंग पढ़ा रहे है या तो फिर कोई एलआईसी में जुड़ चुका है तो कोई शिक्षक अवैध कॉलोनी के काम में भी दिखाई देता है। कुछ शिक्षकों ने तो दुकानें भी खोल ली हैं। अब ऐसे शिक्षक फिर एक बार लाखों रूपए खर्च करने को तैयार बताए जाते हैं वे चाहते हैं कि जैसे तैसे हमारा स्थानांतरण निरस्त हो जाए। लेकिन स्थानांतरण निरस्त की गुंजाईश दूर दूर तक दिखाई नही दे रही है। जिले में शिक्षकों के अवैध स्थानांतरण और अतिशेष शिक्षकों की समस्या को लेकर कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के आदेश के बाद शिक्षा विभाग में खलबली मच गई है। वर्षों से दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों से स्थानांतरण कराकर नगर सड़क किनारे के विद्यालयों तथा मुख्यालय से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ किए गए शिक्षकों की स्थिति अब जांच के दायरे में आ गई है। प्रशासन के इस कदम को छात्र हित में उठाया गया साहसिक निर्णय बताते हुए अब उन तत्कालीन जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की मांग उठने लगी है जिनके कार्यकाल में शासन के नियमों को दरकिनार कर स्थानान्तरण किए जाने के आरोप हैं। बताया जा रहा है कि जिले के घुघरी मवई मोहगांव निवास बिछिया सहित कई विकासखंडों के दूरस्थ विद्यालयों में शिक्षकों की कमी बनी रही जबकि दूसरी ओर नगर क्षेत्र, बीजाडांडी रोड बम्हनी मंडला मुख्यालय से लगे ग्रामीण स्कूल और नैनपुर ब्लॉक सहित सुविधाजनक स्थानों के विद्यालयों में आवश्यकता से अधिक शिक्षक पदस्थ होते गए। इससे कहीं 10-15 विद्यार्थियों के बीच चार-पांच शिक्षक तो कहीं 40-50 विद्यार्थियों पर आठ-दस शिक्षकों की स्थिति निर्मित होने के सवाल उठ रहे हैं। सबसे गंभीर सवाल नवनियुक्त शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर उठ रहा है। आरोप है कि कुछ शिक्षकों की परीविक्षा अवधि पूरी होने से पहले ही उन्हें अन्य विकासखंडों में स्थानान्तरित कर दिया गया। यदि ऐसा हुआ है तो यह सीधे तौर पर शासन के स्थानांतरण संबंधी नियमों और प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

अब मांग उठ रही है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि तत्कालीन अधिकारियों द्वारा नियमों की अनदेखी कर आदेश जारी किए जाने की पुष्टि होती है तो उनके खिलाफ भी जिम्मेदारी तय की जाए। केवल वर्तमान शिक्षकों पर कार्रवाई कर मामले को समाप्त करने के बजाय उस पूरी प्रशासनिक प्रक्रिया की जांच आवश्यक है जिसके कारण आज जिले में शिक्षक वितरण का संतुलन बिगड़ा हुआ है। इस पूरे मामले में शिक्षक संगठनों और राजनीतिक हस्तक्षेप पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जब कथित तौर पर बीच सत्र में लगातार स्थानान्तरण हो रहे थे तब विरोध क्यों नहीं किया गया उस समय न तो बड़े स्तर पर आंदोलन दिखाई दिया और न ही नियम विरुद्ध स्थानान्तरण के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की पहल हुई। अब जब प्रशासन ने पुराने मामलों की समीक्षा शुरू की है और शिक्षकों को उनकी वास्तविक पदस्थापना तथा आवश्यकता के अनुसार व्यवस्थित करने की कवायद शुरू हुई है तब बीच सत्र और तिमाही परीक्षाओं का हवाला देकर कार्रवाई पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल यह है कि यदि बीच सत्र में स्थानान्तरण करना गलत था तो उस समय इस व्यवस्था का विरोध क्यों नहीं किया गया दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों की कमी और मुख्यालय के आसपास अतिशेष शिक्षकों की मौजूदगी लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था की बड़ी समस्या रही है। सुविधा के अनुसार पदस्थापना की प्रवृत्ति ने इस असमानता को और बढ़ाया है। कुछ विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या कम होने के बावजूद शिक्षकों की संख्या अधिक है, जबकि दूसरी ओर ऐसे स्कूल भी हैं जहां बच्चों को पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक तक उपलब्ध नहीं हैं। इसका सीधा असर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों की शिक्षा पर पड़ता है। ऐसे में अतिशेष शिक्षकों को रिक्त पदों वाले विद्यालयों में भेजने की प्रक्रिया को केवल कर्मचारियों की सुविधा के नजरिए से नहीं, बल्कि छात्र हित और समान शिक्षा के अधिकार के नजरिए से देखना होगा।

नशा मुक्त अभियान पर समझौता ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

समाज में पैर पसार रही नशे की गंभीर समस्या के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने और नशा मुक्ति के प्रयासों को अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का बोध-नशा उन्मूलन कार्यक्रम एक नई ऊर्जा के साथ कार्यरत है संस्थान की बोध कोऑर्डिनेटर यशवीर ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने संस्थान के साथ नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर दो वर्ष के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं यह साझेदारी देशभर के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी नशे के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई की नींव रखेगी। संस्थान द्वारा स्कूलों कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिससे युवाओं को एक स्वस्थ ऊर्जावान और सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित किया जा सके दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के समस्त क्षेत्रवासियों सामाजिक संगठनों एवं युवाओं से अपील करती है कि वे इस नशा मुक्त अभियान से जुड़कर एक सशक्त और व्यसनमुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने सौंपा नवीन दायित्व, दिलाई शपथ

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जबलपुर में राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद का दो दिवसीय महाअधिवेशन में आयोजित किया गया था इस अधिवेशन में मंडला जिले के चार युवा पत्रकारों को नवीन जिम्मेदारी सौंपी गई है। रोहित प्रशांत चौकसे को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। तो वहीं रोहित बघेल जिला महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। इसी कड़ी में दीपक कछवाहा को मंडला तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। युवा पत्रकार दीपक रजक को जिला मीडिया प्रभारी घोषित किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिनकांत बाजपेयी, राष्ट्रीय संरक्षक गंगा पाठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश तिवारी, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव रजत गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव देव शंकर अवस्थी, राष्ट्रीय प्रवक्ता गंगा चरण मिश्रा एवं राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य उमेश शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे, प्रदेश संयोजक मदन अवस्थी, प्रदेश मुख्य महासचिव विलोक पाठक, प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, प्रदेश सचिव कमलेश गुप्ता एवं संतराम केवरे, प्रदेश अनुशासन समिति प्रभारी के.जी. शर्मा, समाज कल्याण प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी शिवकुमार तिवारी की सहमति से की गई है। वही प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश दुबे, संभागीय उपाध्यक्ष संतोष बंटी पांडे और मंडला के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने नवीन दायित्व मिलने पर पत्रकार साथियों को बधाई दी है। इस दौरान मंच से सभी पत्रकारों का सम्मान पुष्पमाला से किया गया और शपथ दिलाई गई। महाअधिवेश में संरक्षक हनुमान तिवारी, समाज कल्याण प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष कैलाश डेहरिया, ओम बरमैया, किशोर रजक, राजेश यादव, साकिर खान, राजेन्द्र बंजारा, आशीष वैष्णव, फारूख खान, श्रीमति उमा यादव, श्रीमति सुनीता सैयाम, श्रीमति दीप्ती नरेलिया, रक्षा नामदेव, रोहित चौकसे, महेन्द्र झारिया, आकाश पटैल, अजय श्रीवास्तव, वीरेन्द्र पटैल, गजेन्द्र पटैल, निशांत पटैल, शुभम बैरागी, रजनीश मारूवंश, शोभित रावत, हसीब खान, हीरा उईके, आकाश चक्रवर्ती, अनिल रजक, शौकत अली, सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों की सुरक्षा अधिमान्यता आवास बीमा सहित पत्रकारिता के क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने कहा कि पत्रकार दिन-रात समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन और आम जनता के सामने लाने का कार्य करते हैं। ग्रामीण और छोटे शहरों में काम करने वाले पत्रकार सीमित संसाधनों के बावजूद जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाते हैं ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था आवश्यक है निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक बताते हुए कहा कि पत्रकारों को किसी भी दबाव से प्रभावित हुए बिना समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को सामने लाने का प्रयास करना चाहिए। महाधिवेशन के दौरान पत्रकारों ने संगठन की एकता बनाए रखने और समाजहित में निर्भीक एवं निष्पक्ष पत्रकारिता करने का संकल्प लिया।

उन्होंने ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार प्रकाशित करने तक सीमित नहीं है बल्कि समाज की समस्याओं को सामने लाना और शासन-प्रशासन को जनता की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना भी पत्रकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

जयस प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे मंडला, ली बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। गढ़ा मंडला किला परिसर में जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) की प्रथम आधिकारिक बैठक प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम के प्रथम आगमन पर गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जयस गढ़ा मंडला के जिलाध्यक्ष हरेंद्र कुमार मसराम ने की। बैठक के दौरान क्षेत्र के आदिवासी समाज युवाओं और आम जनता से जुड़े कई ज्वलंत मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

छात्र-छात्राओं की समस्याएं व आगामी छात्र चुनाव कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्तर पर आदिवासी विद्यार्थियों को आ रही व्यावहारिक समस्याओं के निवारण और आगामी छात्र संघ चुनावों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर रणनीति बनाई गई। वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत व्यक्तिगत दावा सामुदायिक दावा एवं वन संसाधन अधिकारों को धरातल पर पारदर्शी तरीके से लागू कराने और पात्र परिवारों को उनका हक दिलाने का संकल्प लिया गया। अतिक्रमण पर चिंता 18 सितंबर बलिदान दिवस अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं राजकुमार रघुनाथ शाह के आगामी 18 सितंबर को होने वाले बलिदान दिवस को गढ़ा मंडला में भव्य एवं सांस्कृतिक चेतना के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जयस संभाग जबलपुर सह-सचिव रतन वरकड़े, संभाग जबलपुर उपाध्यक्ष जिया पंद्रे, जिला मीडिया प्रभारी काशी वरकड़े, सरपंच राजेंद्र धुर्वे, सरपंच रॉकी भाई, युवा साथी जोबिन धुर्वे, दशरथ धुर्वे सहित जयस के पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

अभियान में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हो : सांसद

मण्डला (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में जबलपुर सांसद आशीष दुबे ने पत्रकारवार्ता में प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर यह अभियान सेवा सुशासन और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। अभियान में समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी सांसद ने बताया कि 17 सितंबर को शाम 7 बजे प्रदेश के 71,930 बूथों पर आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम होगा। 2 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान, स्कूलों में विकसित भारत विषय पर चित्रकला, ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं तथा आंगन मिलन सेवा के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी।

पदयात्रा, साइकिल और बाइक रैली के माध्यम से गांवों और क्षेत्रों को जोड़ते हुए विकसित भारत-2047 का संकल्प लिया जाएगा यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की सेवा एवं विकास कार्यों की जानकारी भी दी जाएगी भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि जिले में अभियान को 1051 बूथों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए तैयारियां पूरी की जा रही हैं। युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को अभियान से जोड़ा जाएगा।

नैनपुर में गणेशोत्सव का भव्य आगाज

घर-घर विराजे प्रथम पूज्य गणपति, सार्वजनिक पंडालों में भी हुई प्रतिमाओं की स्थापना

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता और प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश के आराधना पर्व गणेशोत्सव का नगर में श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच शानदार आगाज हुआ। गणेश चतुर्थी के अवसर पर सुबह से ही नगर में उत्साह का माहौल रहा। घर-घर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं विधि-विधान और श्रद्धापूर्वक स्थापित की गईं। गणपति बप्पा के जयघोष से नगर का वातावरण भक्तिमय नजर आया। भगवान श्री गणेश अपने विविध स्वरूपों में श्रद्धालुओं के घरों में विराजित हुए। कहीं पारंपरिक स्वरूप में गणपति की स्थापना की गई तो कहीं आकर्षक और मनमोहक प्रतिमाओं के साथ घरों को सजाया गया। प्रतिमा स्थापना के बाद श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश का आह्वान किया और परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य एवं मंगल की कामना की। गणेशोत्सव के आगामी दस दिनों तक नगर में भक्ति और आस्था का यह सिलसिला जारी रहेगा। प्रतिदिन सुबह-शाम भगवान श्री गणेश की पूजा, आरती, वंदन और प्रसाद वितरण के साथ श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर गणपति

दरबार में पहुंचेंगे। मान्यता है कि प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश अपने भक्तों के सभी विघ्नों को दूर कर जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करते हैं। इसी आस्था के साथ श्रद्धालु इन दस दिनों को विशेष उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाने की तैयारी में जुट गए हैं।

नगर के विभिन्न मोहल्लों और प्रमुख स्थानों पर सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों द्वारा आकर्षक पूजा पंडाल तैयार किए गए हैं। दिनभर प्रतिमाओं को पंडालों तक पहुंचाने और विधि-विधान से स्थापना करने का क्रम चलता रहा। शाम तक अनेक सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं विराजित हो गईं। प्रतिमा स्थापना के दौरान श्रद्धालुओं और समिति सदस्यों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। ढोल-नगाड़ों और गणपति बप्पा के जयकारों के बीच प्रतिमाओं को पंडालों तक लाया गया। इसके साथ ही नगर में गणेशोत्सव की रौनक बढ़ गई है। आगामी दिनों में सार्वजनिक पंडालों में विशेष आरती, पूजन, प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गणेशोत्सव को लेकर बच्चों, युवाओं और महिलाओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। दस दिनों तक चलने वाला यह उत्सव नैनपुर की धार्मिक आस्था, सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक परंपरा का जीवंत स्वरूप प्रस्तुत करेगा।

17 सितम्बर को होंगे विविध धर्मिक आयोजन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर के वार्ड 15 स्थित मंगल भवन में 17 सितंबर को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किये जायेंगे। जिसकी शुरुआत दोपहर 12 बजे से एक पेड़ मां के नाम के साथ वृक्षारोपण से की जाएगी। 12.30 बजे से क्षेत्रीय महिला एवं पुरुष मंडल द्वारा भजन कीर्तन किया जाएगा। दोपहर 2 बजे से सुंदर कांड श्री हनुमान चालीसा के महापाठ के बाद महाआरती और प्रसाद वितरण किया जाएगा। उपरोक्त आयोजन आचार्य जमुना उईके के मार्गदर्शन में आयोजित होगा। भाजपा और महिला मोर्चा इस आयोजन की विशेष तैयारी कर रही है। उक्त आयोजन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आहूत किया गया है।

गणित के रोचक तथ्य

- शून्य एक सम संख्या है।
- एक न तो अभाज्य है, न भाज्य।
- सबसे छोटी अभाज्य संख्या 2 है।
- दो एकमात्र सम अभाज्य संख्या है।
- सबसे छोटी विषम अभाज्य संख्या 3 है।
- दस का वर्ग 100 होता है।
- दस का घन 1000 होता है।
- किसी संख्या को 1 से गुणा करने पर वही संख्या मिलती है।
- किसी संख्या को 0 से गुणा करने पर परिणाम 0 होता है।
- त्रिभुज के तीनों कोणों का योग 180 डिग्री होता है।
- चतुर्भुज के कोणों का योग 360 डिग्री होता है।
- सीधी रेखा का कोण 180 डिग्री होता है।
- पूर्ण कोण 360 डिग्री का होता है।
- समकोण 90 डिग्री का होता है।
- आयत की विपरीत भुजाएं बराबर होती हैं।
- वृत्त का केंद्र से परिधि तक का माप त्रिज्या कहलाता है।
- व्यास त्रिज्या का दोगुना होता है।
- घनाभ के भी 6 फलक, 12 किनारे और 8 शीर्ष होते हैं।
- समांतर रेखाएं कभी एक-दूसरे को नहीं काटतीं।
- लंबवत रेखाएं 90 डिग्री का कोण बनाती हैं।
- पच्चीस प्रतिषत का अर्थ एक-चौथाई होता है।
- पचत्तर प्रतिषत का अर्थ तीन-चौथाई होता है।
- साधारण ब्याज में मूलधन, दर- समय महत्वपूर्ण होते हैं।
- ऋणात्मक संख्या रेखा पर शून्य के बाईं ओर होती है।
- धनात्मक संख्या संख्या रेखा पर शून्य के दाईं ओर होती है।

संगीत की लय में छिपा है गणित का तर्क

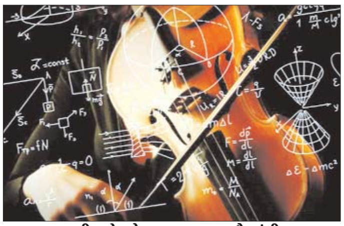

संगीत और गणित को अक्सर दो अलग-अलग विषय माना जाता है। संगीत को जहां कला, भावनाओं और रचनात्मकता से जोड़ा जाता है, वहीं गणित को संख्याओं, सूत्रों और तर्क का विषय समझा जाता है। लेकिन वास्तव में इन दोनों के बीच गहरा और रोचक संबंध है। संगीत की लय में गणित छिपा है और गणित के क्रम व पैटर्न में संगीत जैसी सुंदरता दिखाई देती है।

संगीत में छिपा है गणित

संगीत मुख्य रूप से ताल, मात्रा, गति, बीट और क्रम पर आधारित होता है। किसी गीत या धुन को सही ढंग से प्रस्तुत करने के लिए समय का विभाजन और बीट्स की गिनती जरूरी होती है। ताल में निश्चित मात्राएं होती हैं और उनका क्रम एक गणितीय पैटर्न जैसा दिखाई देता है। सुरों और तालों का संयोजन भी एक निश्चित व्यवस्था का पालन करता है। जब विद्यार्थी ताल पर हाथ से गिनती करता है या किसी धुन की बीट समझने का प्रयास करता है, तब वह अनजाने में जोड़, क्रम और समय-विभाजन जैसी गणितीय अवधारणाओं का प्रयोग कर रहा होता है। धुन में दोहराव और क्रमबद्धता भी गणितीय पैटर्न से जुड़ी होती है।

सीखने को आसान बनाता है संगीत

संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को भी रोचक बना सकता है। संगीत की लय और पैटर्न विद्यार्थियों को क्रम तथा संरचना समझने में मदद कर सकते हैं। नियमित संगीत अभ्यास से ध्यान, अनुशासन और एकाग्रता विकसित करने में सहायता मिल सकती है। गीतों और लय के माध्यम से कठिन तथ्यों को याद करना भी कई विद्यार्थियों के लिए आसान हो जाता है।

गणित विकसित करता है तार्किक सोच

गणित का नियमित अभ्यास विद्यार्थियों में तार्किक सोच और समस्या-समाधान की क्षमता मजबूत करता है। लगातार प्रश्न हल करने से संख्याओं को समझने, गणना करने और सही निष्कर्ष तक पहुंचने की क्षमता बेहतर होती है। इसी तरह संगीत सीखने के लिए भी नियमित अभ्यास, धैर्य और अनुशासन आवश्यक है। किसी वाद्य यंत्र को सीखना या ताल का अभ्यास करना विद्यार्थियों में निरंतर प्रयास की आदत विकसित करता है।

दोनों का साथ बढ़ाता है रचनात्मकता

गणित जहां तर्क और विश्लेषण की क्षमता विकसित करता है, वहीं संगीत कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है। दोनों का संयोजन विद्यार्थियों के लिए सीखने का रचनात्मक तरीका बन सकता है। इससे वे यह समझते हैं कि सफलता के लिए अभ्यास, अनुशासन, क्रम और धैर्य जरूरी हैं।

वैष्णवी दुबे

शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोरखपुर, जबलपुर।

हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए सेठ गोविंददास का संघर्ष

संस्कारधानी की धरती ने ऐसे अनेक महान व्यक्तित्व दिए, जिन्होंने देश और समाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इनमें सेठ गोविंददास का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वे हिंदी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित कराने के लिए जीवनभर संघर्ष करते रहे। सेठ गोविंददास का मानना था कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी थी। उन्होंने संसद में हिंदी के पक्ष में प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी। उनका स्पष्ट विचार था कि जिस भाषा ने स्वतंत्रता संग्राम में देश को एक सूत्र में बांधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसे कमजोर नहीं माना जा सकता।

संविधान सभा में उठाई आवाज

वर्ष 1946 में संविधान सभा की पहली बैठक से ही उन्होंने हिंदी के पक्ष में अपनी बात रखनी शुरू कर दी थी। 14 जुलाई 1947 को संविधान सभा की चौथी बैठक में सेठ गोविंददास और पी.डी. टंडन ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के समर्थन में जोरदार पक्ष रखा। सेठ गोविंददास ने दिल्ली में 6 और 7 अगस्त 1949 को राष्ट्रभाषा सम्मेलन आयोजित कराया। सम्मेलन में देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली संस्कृतनिष्ठ हिंदी को राजभाषा घोषित किए जाने का प्रस्ताव पारित हुआ। यह हिंदी के पक्ष में उनके निरंतर प्रयासों का महत्वपूर्ण पड़ाव था।

संसद में अकेले किया विरोध

वर्ष 1963 में अंग्रेजी के आधिकारिक उपयोग को जारी रखने और राज्यों को अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को सरकारी भाषा के रूप में अपनाने से संबंधित विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया। सेठ गोविंददास ने इसका विरोध किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से सहमति न बनने के बावजूद उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए विरोध दर्ज कराने की अनुमति मांगी। कहा जाता है कि नेहरू को उनकी दृढ़ता के सामने उन्हें विरोध दर्ज कराने की अनुमति देनी पड़ी। संविधान के अनुच्छेद 343 में प्रस्तावित बदलाव के विरोध में वे संसद में अकेले सांसद के रूप में खड़े हुए।

सेठ गोविंददास की विरासत

आज जब हिंदी का प्रयोग शिक्षा, पत्रकारिता, साहित्य और डिजिटल माध्यमों में लगातार बढ़ रहा है, तब सेठ गोविंददास जैसे हिंदी सेवियों के योगदान को याद करना आवश्यक है। संस्कारधानी जबलपुर की इस महान विभूति ने हिंदी के सम्मान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष विद्यार्थियों को यह सीख देता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, पहचान और राष्ट्रीय चेतना का आधार भी है।

श्रद्धा पटेरिया
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रंन्स एकेडमी
गोरखपुर, जबलपुर।

गणित: तर्क क्षमता विकसित करने वाला विषय

गणित मानव सभ्यता की प्रगति का आधार और ज्ञान-विज्ञान की महत्वपूर्ण शाखा है। यह केवल अंकों और सूत्रों का विषय नहीं, बल्कि तार्किक चिंतन, विवेकपूर्ण निर्णय और समस्याओं के समाधान की कला भी है। विज्ञान और तकनीक के विकास में गणित की भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी शरीर के लिए हृदय की। इसलिए गणित को विज्ञान की आधारशिला कहा जाता है।

प्राचीन भारत की गणितीय विरासत

भारत का गणित के क्षेत्र में योगदान अत्यंत गौरवपूर्ण रहा है। आर्यभट, ब्रह्मगुप्त और भास्कराचार्य जैसे महान गणितज्ञों ने विश्व को महत्वपूर्ण गणितीय ज्ञान दिया। शून्य की अवधारणा और दशमलव पद्धति ने गणना को सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय गणितीय परंपरा का प्रभाव आगे चलकर विश्व के अनेक देशों तक पहुंचा।

विज्ञान और तकनीक में गणित

आज के आधुनिक युग में गणित के बिना विज्ञान और तकनीक की कल्पना करना कठिन है। कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, वास्तुकला, बैंकिंग, व्यापार, अंतरिक्ष अनुसंधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में गणित का व्यापक उपयोग होता है। किसी भवन की संरचना तैयार करने से लेकर अंतरिक्ष यान की गति निर्धारित करने तक गणित महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दैनिक जीवन में उपयोगी

हमारे दैनिक जीवन का लगभग हर कार्य किसी न किसी रूप में गणित से जुड़ा है। समय का प्रबंधन, पैसे का हिसाब-किताब, वस्तुओं का माप-तौल, दूरी और गति की गणना तथा बजट और योजनाओं का निर्माणकृइन सभी में गणित का उपयोग होता है। गणित हमें अनुशासन, धैर्य, एकाग्रता और तार्किक सोच का अभ्यास भी कराता है।

करियर की मजबूत नींव

गणित केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उच्च शिक्षा और बेहतर करियर के लिए भी इसकी मजबूत समझ जरूरी है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, वास्तुकला, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, डेटा साइंस, कंप्यूटर साइंस और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में गणित का विशेष महत्व है।

कठिन नहीं, अभ्यास से आसान

कई विद्यार्थियों को गणित कठिन विषय लगता है, लेकिन नियमित अभ्यास, सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास से इसे आसान बनाया जा सकता है। गणित हमें सिखाता है कि किसी भी कठिन समस्या का समाधान धैर्य, तर्क और सही तरीके से किया जा सकता है। किसी कठिन प्रश्न को हल करने के बाद मिलने वाली सफलता आत्मविश्वास भी बढ़ाती है।

निष्कर्ष- गणित हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। यह न केवल व्यक्तिगत विकास में सहायक है, बल्कि विज्ञान, तकनीक, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसलिए विद्यार्थियों को गणित से डरने के बजाय इसे समझने और नियमित अभ्यास करने की आदत विकसित करनी चाहिए। गणित से मित्रता भविष्य की सफलता की मजबूत नींव बन सकती है।

ज्योति कुमारी

कक्षा दसवीं
हितकारिणी कन्या उ.मा.शाला, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

बोर्ड एग्जाम में सही रफवर्क से बचाएं समय, घटाएं गणना की गलतियां

एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं और 12 वीं गणित की बोर्ड परीक्षा में रफ वर्क यानी कच्चा काम विद्यार्थियों के लिए काफ ी उपयोगी होता है। कठिन सवालों की गणना, गुणा-भाग, सूत्रों का प्रयोग या उत्तर की दोबारा जांच करने के लिए विद्यार्थी रफवर्क करते हैं। हालांकि इसे अव्यवस्थित तरीके से करने पर समय अधिक लग सकता है और गणना दोबारा ढूंढने में परेशानी हो सकती है। इसलिए बोर्ड एग्जाम के विद्यार्थियों को रफ वर्क करने का सही तरीका पहले से अभ्यास में लाना चाहिए।

अंतिम पेज को बनाएं रफपेज

बोर्ड एग्जाम की परीक्षा में उत्तरपुस्तिका के अंतिम पेज को रफ वर्क के लिए इस्तेमाल करना सुविधाजनक रहता है। पेज के ऊपर स्पष्ट रूप से रफ कार्य लिखें। यदि अंतिम पेज भर जाए तो उससे पहले वाले पेज का उपयोग किया जा सकता है। इससे मुख्य उत्तर और गणना अलग-अलग रहती है और उत्तरपुस्तिका व्यवस्थित दिखाई देती है।

हर प्रश्न की गणना अलग रखें

रफ पेज को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर प्रत्येक प्रश्न की गणना अलग करें। गणना के पास संबंधित प्रश्न संख्या, जैसे प्रश्न क्रमांक 5 या प्रश्न क्रमांक 8 जरूर लिखें। इससे विद्यार्थी उत्तर की दोबारा जांच करते समय आसानी से गणना खोज सकते हैं और समय भी बचा सकते हैं।

साफसुथरा रखें रफवर्क

रफ वर्क का अर्थ यह नहीं है कि पन्ने पर कहीं भी गणना लिख दी जाए। गणना को क्रम से लिखें और अनावश्यक काट-पीट से बचें। पेंसिल का इस्तेमाल सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन परीक्षा में एमपी बोर्ड के निर्देशों को प्राथमिकता दें।

छोटी गणना के लिए साइड स्पेस

यदि किसी प्रश्न में केवल छोटी गणना करनी है तो प्रश्न के पास उपलब्ध खाली स्थान का इस्तेमाल किया जा सकता है। लंबी गणना के लिए अंतिम रफ पेज अधिक सुविधाजनक रहेगा। मुख्य उत्तर और रफगणना को स्पष्ट रूप से अलग रखना जरूरी है।

परीक्षा के अंत में करें जांच

पेपर पूरा करने के बाद रफवर्क की मदद से उन प्रश्नों की गणना दोबारा जांचें, जिनके उत्तर को लेकर संदेह हो। परीक्षा समाप्त करने से पहले रफ पेज पर एक साफ तिरछी रेखा खींची जा सकती है, ताकि वह मुख्य उत्तर का हिस्सा न लगे।

शब्द पहेली - 8975

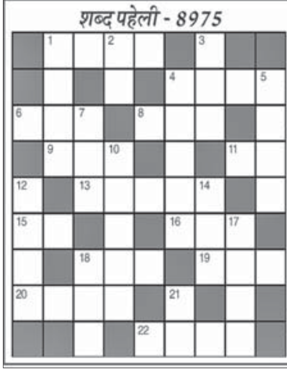

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8974 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

संपादकीय

कुछ तो 'बर्फ' पिघली होगी

साल भर में 350 के करीब बैठकों के बाद यह निष्कर्ष सामने आया है कि ब्रिक्स का साझा घोषणा-पत्र जारी किया जा सका है। बीते पांच साल में कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह साझापन गायब रहा है। यह भारत की अध्यक्षता और मेजबानी में ब्रिक्स देशों की ऐतिहासिक और कूटनीतिक उपलब्धि है। ब्रिक्स भारत ने अमरीका को आईना दिखाया है कि वह 'वैश्विक आक्रांता' न बने। हालांकि 'नई दिल्ली घोषणा-पत्र' में अमरीका-इजरायल का नाम नहीं है, लेकिन संदेश साफ है कि एकतरफा युद्ध स्वीकार्य नहीं है। दुनिया में जंग रुकनी चाहिए। आपसी संवाद, कूटनीति से विवादों के समाधान निकाले जा सकते हैं। आश्चर्य है कि ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब के दरमियान युद्ध जारी है, लेकिन ब्रिक्स का घोषणा-पत्र सर्वसम्मति से पारित किया गया है। बेशक इन देशों की अपनी-अपनी आपत्तियां और आशंकाएं थीं, लेकिन नई दिल्ली में इनके राजदूतों, राजनयिकों को एक साथ बिठाया गया, बातचीत कराई गई, उनकी लाल रेखाओं को समझा गया, नतीजतन साझा घोषणा-पत्र पर सर्वसम्मति तय हुई। सबसे महत्वपूर्ण खबर तो यह सामने आई कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और अबूधाबी के 'क्राउन प्रिंस' शेख मुहम्मद बिन जायद और उनके प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात हुई। दोनों ने 30 मिनट तक संवाद किया। कुछ सवाल और शिकायतें उभरी होंगी, लेकिन संवाद के बाद कुछ तो 'बर्फ' पिघली होगी! युद्ध के खिलाफ ब्रिक्स के घोषणा-पत्र का पहला प्रभाव भी सामने आया, जब युद्धरत यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बयान दिया कि वह जी-20 में मियामी (अमरीका) में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे और बात करने को तैयार हैं। रूस-यूक्रेन में बीते साढ़े चार साल से युद्ध जारी है। दोनों पक्षों की तबाही, बर्बादी, मौतें सामने आ चुकी हैं। यकीनन यह भारत के शांति-प्रयासों और लगातार आग्रहों का ही नतीजा है कि एकतरफा युद्ध के खिलाफ किसी घोषणा-पत्र ने 'बदलाव' की संभावनाएं पैदा की हैं। सिर्फ युद्ध ही नहीं, घोषणा-पत्र में आर्थिक प्रतिबंधों को भी 'मानवाधिकार का उल्लंघन' करार दिया गया है। ऐसे प्रतिबंध विश्व व्यापार संगठन, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ भी हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान खुलासा किया कि रूस पर 30,000 से अधिक पाबंदियां थोपी गईं, उनके बावजूद रूस आगे बढ़ता रहा। ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने भी अमरीकी पाबंदियों और नाकेबंदी का जिक्र किया, लेकिन यह भी भरोसा दिलाया कि अमरीका के थोपे गए, एकतरफा युद्ध और पाबंदियों से ईरान टूटने वाला देश नहीं है। हम आज जिंदा हैं, लिहाजा लड़ेंगे भी। ब्रिक्स घोषणा-पत्र में राष्ट्रपति ट्रंप के एकतरफा टैरिफवाद की भी मुखालफत की गई, उसे खारिज किया गया। भारत, चीन सरीखी महाशक्तियों पर भी ट्रंप ने टैरिफ थोपे, लेकिन उनकी अर्थव्यवस्थाओं को ठप नहीं कर सके। इन दोनों संदर्भों में भी अमरीका कठघरे में खड़ा है। घोषणा-पत्र में यह प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और आईएमएफ, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन आदि में व्यापक सुधारों को अब टाला नहीं जा सकता है। ये संस्थान पुराने ढर्रे से काम नहीं कर सकते। ब्रिक्स ने रूस, चीन से अपील की है कि वे सुरक्षा परिषद में भारत और ब्राजील की स्थायी सदस्यता के लिए पैरवी करें। गौरतलब यह है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर, इस संदर्भ में, सहमति जताई है। देखते हैं कि वह भारत की कितनी मदद करते हैं, क्योंकि वह अभी तक भारत के दावे का विरोध करते रहे हैं। हालांकि अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष भारत का समर्थन करते रहे हैं। बहरहाल ब्रिक्स का दिल्ली आयोजन आतंकवाद के पनाहगारों, आर्थिक मददगारों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई के फैसले के लिए भी याद किया जाएगा।

पर्युषण महापर्व

आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

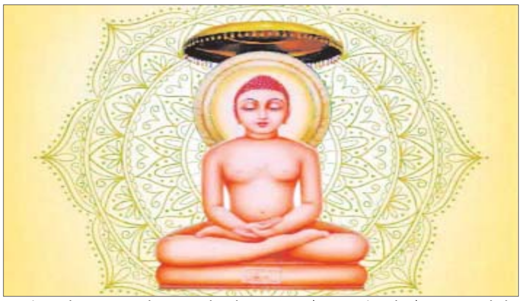

आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात् अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है।

संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है।

भगवान महावीर का संदेश-मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं।

आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है।

पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मोन्नयन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सवेरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

मानव सभ्यता की धुरी है इंजिनियरिंग पिरामिड से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, विकास की हर कहानी का आधार

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'

लेखक/पत्रकार

मानव विकास के पहले कदम से ही इंजीनियरिंग मनुष्य के विकास को गति दे रही है। जब आदिमानव ने पहली बार पत्थर को घिसकर औजार बनाया था, वहीं से इंजीनियरिंग की नींव पड़ी थी। इंजीनियरिंग मनुष्य के विकास की धुरी है और इसीलिए सदियों से इंजीनियरिंग मानव विकास और प्रगति का एक अभिन्न अंग रही है। इतिहास गवाह है कि इंजीनियरिंग के बिना मानव सभ्यता की कल्पना ही नहीं की जा सकती। प्राचीन मिस्रवासियों द्वारा बनाए गए पिरामिड, जो आज भी आर्किटेक्चर का अजूबा हैं, इंजीनियरिंग का ही चमत्कार हैं। भारत में हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की उन्नत नगरीय व्यवस्था, जहां भूमिगत नाली और व्यवस्थित सड़कें थीं, वो उस दौर की श्रेष्ठ इंजीनियरिंग का प्रमाण है। फिर चाहे रोम के पुल हों, चीन की महान दीवार हो या दक्षिण भारत के भव्य मंदिर - हर निर्माण के पीछे इंजीनियर का दिमाग और कौशल रहा है। और आज प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति - चाँद पर यान भेजने से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, इंजीनियरिंग ने हमारे समाज को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मानव जीवन में इंजीनियरिंग की महत्ता- इंजीनियरिंग हमारे समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह हमारे दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान प्रदान करती है। सुबह आँख खुलते ही हम जिन चीजों का उपयोग करते हैं, उन सब में इंजीनियरिंग है।

इंजीनियर अपने ज्ञान, कौशल और रचनात्मकता का उपयोग करके ऐसी प्रणालियों, संरचनाओं और प्रौद्योगिकियों का डिजाइन, निर्माण और रखरखाव करते हैं जो हमारे जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाती हैं। स्वच्छ जल और बिजली उपलब्ध कराने से लेकर जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरणों के विकास तक, इंजीनियरिंग हमारे आसपास की दुनिया पर एक ठोस प्रभाव डालती है।

जरा सोचिए, अगर सिविल इंजीनियर न होते तो हमारे सिर पर छत न होती, सड़कें न होतीं, बांध और पुल न होते। मैकेनिकल इंजीनियर ने हमारे लिए साइकिल से लेकर हवाई जहाज तक बनाए। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों ने बिजली से हमारे घरों को रोशन किया और मोबाइल-इंटरनेट की दुनिया से जोड़ा। कंप्यूटर इंजीनियर ने तो पूरी दुनिया को हमारी मुट्ठी में ला दिया है। वहीं बायोमेडिकल इंजीनियरों ने वेंटिलेटर, पेसमेकर और एमआरआई जैसी मशीनें बनाकर लाखों जिंदगियां बचाई हैं। खेत में ट्रैक्टर से लेकर रसोई में मिक्सर तक, हर जगह इंजीनियरिंग है।

इंजीनियर हमारे भविष्य को कैसे प्रभावित करते हैं?- हमारे भविष्य को आकार देने में इंजीनियर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे हमारे समुदायों और अर्थव्यवस्थाओं को सहारा देने वाले बुनियादी ढांचे और प्रणालियों का डिज़ाइन और निर्माण करते हैं। आज दुनिया जिन दो सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है - जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य संकट - उनसे लड़ने में इंजीनियर ही सबसे आगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहन, सोलर पैनल, विंड एनर्जी, ग्रीन बिल्डिंग - ये सभी इंजीनियरों के ही प्रयास हैं ताकि हमारी धरती को बचाया जा सके। प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास के साथ, इंजीनियर नवाचार में सबसे आगे हैं, और हमारे सामने आने वाली चुनौतियों के लिए नए और बेहतर समाधान विकसित कर रहे हैं।

कल का भविष्य इंजीनियर ही लिख रहे हैं। स्मार्ट सिटी, बुलेट ट्रेन, 5ल नेटवर्क, रोबोटिक सर्जरी और अंतरिक्ष में मानव बस्ती - ये सब इंजीनियरों के ड्राइंग बोर्ड पर ही आकार ले रहे हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने से लेकर स्वास्थ्य सेवा में सुधार तक, इंजीनियरिंग के लाभ हर किसी के लिए दुनिया को बेहतर बना सकते हैं।

लेकिन यहां जानना जरूरी है की भारत में हर साल लाखों इंजिनियर तैयार होते हैं, लेकिन इनका पूरा उपयोग नहीं हो पाता।

भारत में हर साल लगभग 15 लाख नए इंजीनियर स्नातक होकर निकलते हैं।

मुख्य आंकड़े - वर्तमान स्थिति:आंकड़े बताते हैं की देश में अब हर साल करीब 15 लाख युवा इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर रहे हैं।

आजादी के समय: वर्ष 1947 में देश में केवल 38 इंजीनियरिंग कॉलेज थे, जहां से सालाना मात्र 300 इंजीनियर निकलते थे। हि

यह विशाल संख्या भारत को दुनिया के सबसे बड़े तकनीकी प्रतिभा भंडारों में खड़ा करती है।

रोजगार और कौशल की स्थिति - हर साल डिग्री पूरी करने वाले सभी युवाओं को तुरंत नौकरियां नहीं मिल पाती हैं।

विभिन्न रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनमें से लगभग 45% से 60% युवा ही उद्योग की जरूरतों के हिसाब से रोजगार योग्य होते हैं। बेहतर हो इनका बेहतर शिक्षण हो साथ ही इनका देश में उपयोग हो।

अंत में कहा जा सकता है कि इंजीनियरिंग सिर्फ एक डिग्री या पेशा नहीं, बल्कि सोचने का एक तरीका है - समस्या को देखो, उसका हल निकालो और समाज को बेहतर बनाओ। इसीलिए हर आविष्कार, हर सुविधा और हर प्रगति के पीछे एक इंजीनियर का अदृश्य हाथ जरूर होता है।

एआई! लौटा दे मेरे बीते हुए दिन

विनोद कुमार विक्की

सोशल मीडिया पर इन दिनों अस्सी के दशक में वापसी की होड़ मची हुई है। एआई के सहारे बूढ़े-बुढ़िया फिर से जवान बनने को मचल रहे हैं। लगता है, फिल्म 'दूर गगन की छांव में' के गीत 'कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन' को सोशल मीडिया ने गंभीरता से ले लिया है। मित्रों और भाइयों से विलगाव तथा एआई से लगाव का यह अद्भुत नज़ारा इंस्टाग्राम और फेसबुक पर खूब दिखाई दे रहा है। लोग टेक्नोलॉजी के सहारे नॉस्टैल्जिया का सुख प्राप्त करने में लगे हैं। इच्छाओं के बंधन में बंधे आदमजात की फितरत भी कमाल की होती है। सोशल मीडिया ऐप मदारी बनकर ट्रेंड के डमरू पर हमें बंदर की तरह नचाता है। कुछ वर्ष पहले एक ऐप के माध्यम से यह बताया जाता था कि आपकी मृत्यु कब और कैसे होगी। डेढ़ सौ वर्ष की उम्र तक जीने की भविष्यवाणी पाने वाले कई लोग 35-40 की उम्र में ही कोरोना की चपेट में आकर दुनिया से विदा हो गए। तकनीक की भविष्यवाणी भी कभी-कभी इतनी सटीक निकलती है कि भविष्य से पहले ही वर्तमान समाप्त हो जाता है!

इसी तरह फेसऐप के दौर में चिरयुवा दिखने की चाह रखने वाले लोग अचानक 70-80 साल के बुजुर्ग बनने को व्याकुल हो गए थे। आज बदलाव की इच्छा कायम है, बस परिस्थितियां बदल गई हैं। एआई के माध्यम से अस्सी के दशक में लौटने वाले गंजे सिर पर घने, मुलायम और काले बालों का सुख भोग रहे हैं। चेहरे पर झुर्रियों का स्थायी पता बना चुके वयोवृद्ध फेसबुक उपभोक्ता बिना ब्यूटी पार्लर का शुल्क दिए त्वचा पर निखार ला रहे हैं। ओवरवेट बंदा अंडरएज दिखकर अपनी तस्वीरों पर 'शानदार', 'लाजवाब' जैसी टिप्पणियां बटोर रहा है।

बहरहाल, तकनीकी भागदौड़ और व्यस्तता के कारण भावनात्मक रूप से दूर होते मित्रों और रिश्तेदारों से मिलकर गपशप के माध्यम से पुरानी यादों और घटनाओं को फिर से जीने के आत्मीय सुख की बजाय हम सोशल मीडिया ऐप के जरिए आभासी सुख की तलाश में भटक रहे हैं। रिश्ते पास हों या दूर, एआई बस एक क्लिक में हमें हमारी जवानी के पास पहुंचा देता है।

बहरहाल, अब अस्सी-नब्बे के दशक या अतीत में लौटने के लिए न पुरानी तस्वीरों का संदूक खोलना है, न पुराने दोस्तों को ढूंढ़ना है। बस एआई को आदेश दीजिए और तकनीकजीवी अपनी जवानी में हाज़िर!

ये छूआछूत का रोग तो अमरीका तक पहुंच गया भैया...

अपने को तो ये पता था और डॉक्टरों से भी सुना था कि बहुत से रोग छुआछूत वाले होते है जो एक से दूसरे को लग जाते हैं। मसलन सर्दी-जुकाम ये हवा में मौजूद बूंदों के जरिए बहुत जल्दी फैलता है।खसरा और चिकनपॉक्स ये वायरस से होने वाले त्वचा संबंधी रोग हैं जो मरीज के संपर्क में आने से फैलते हैं।तपेदिक या टीबी ये खांसने या छींकने पर हवा के माध्यम से फैलता है। दाद, खाज खुजली ये त्वचा के सीधे संपर्क या संक्रमित व्यक्ति के तौलिए-कपड़े इस्तेमाल करने से फैलता है।कंजंक्टिवाइटिस ये संक्रमित व्यक्ति की आंखों के संपर्क में आने या उसकी चीजें छूने से फैलता है। लेकिन अब एक सबसे बड़ा छुआछूत का रोग न केवल अपने देश के हर प्रदेश में बल्कि हजारों किलोमीटर दूर अमेरिका तक में पहुंच चुका है और ये छुआछूत का रोग है नोट दो और वोट लो यानी मुफ्त खोरी को बढ़ावा दो । अमेरिका में चुनाव होने वाले हैं और वहां के राष्ट्रपति ट्रंप जी ने घोषणा कर दी है कि हर व्यक्ति को भारतीय मुद्रा में लगभग पांच लाख रुपए दिए जाएंगे, अमेरिका में रहने वाले लोगों को अपने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का धन्यवाद अदा करना चाहिए कि उन्होंने जो स्कीम शुरू की थी वो विदेश तक जा पहुंची है अपने देश के तो हर प्रदेश में चुनाव के पहले कोई दो हजार की बात कर रहा, तो कोई पांच हजार की, तो कहीं चालीस हजार तक देने का वायदा किया जा रहा है लेकिन ये महिलाओं को दिए जाएंगे पर अमेरिका में कोई भेदभाव नहीं है , डोनाल्ड ट्रंप ने सोचा कि वोट अकेली महिलाएं तो देती नहीं है सबको पांच पांच लाख दो, फिर दूसरी बात ये है कि पैसा अपनी जेब से तो जाना नहीं है सरकारी खजाना है, लुटाते चलो अपन पावर में जो हैं और समर्थ हैं ।सचमुच बड़ा खतरनाक रोग है ये अभी अमेरिका तक पहुंचा है और अगर इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप चुनाव जीत गए तो समझ लो कि पूरे विश्व में यह बीमारी फैलने वाली है जहां-जहां चुनाव होंगे वहां वहां ये स्कीम लागू होगी और जो लोग सत्ता में है वे सत्ता में बने रहेंगे ,वैसे भी छुआछूत वाली बीमारियों का कोई खास इलाज होता नहीं है इसलिए इसका भी कोई इलाज समझ में आता नहीं, सबसे बड़ी बात तो ये है कि हर लगे ना फिटकरी रंग चोखा हो यानी अपनी जेब से पंजी देना नहीं है फ्री फोकट में सरकारी खजाने से दिए गए पैसे से वोट पाना है ,इससे ज्यादा आसान काम क्या हो सकता है तो वही सारे नेता कर रहे हैं ।भले ही हम और किसी चीज में विश्व गुरु ना बन पाएं कम से कम इस योजना में हम जरूर विश्व गुरु बन जायेंगे

दोस्ती में दगा

कहा जाता है कि सबको दगा दे दो, लेकिन दोस्ती में दगा देना ठीक बात नहीं होती ,दोस्ती विश्वास पर चलती है लेकिन जब दोस्त को दगा दी जाती है तब दगा देने वाले दोस्त की लाई कैसे लुटती है ये अभी हाल ही में एक खबर में पता लगा है। हुआ यूं कि एक व्यक्ति ने अपने दोस्त को अपने बर्थडे पार्टी में बुलाने का वादा किया था, जिस दिन बर्थडे था उसे दिन उस दोस्त ने सुबह से खाना नहीं खाया कि आज तो मित्र की बर्थडे पार्टी में जाना है लेकिन मित्र ने दोस्त को दगा दे दिया और पार्टी में नहीं बुलाया, इंतजार करते करते काफी रात हो गई तो भूखे प्यासे दोस्त ने जाकर होटल में खाना खाया और उस खाने से वो बीमार भी हो गया बीमारी से निजात पाने के बाद उसने अपने उस मित्र को वकील के माध्यम से एक कानूनी नोटिस भेजा जिसमें कहा गया था कि तुमने मेरे साथ दगाबाजी की, बर्थडे में बुलाया नहीं, भूख के मारे मैंने होटल में खाना खाया जिसका 1750 रुपए बिल बना और उसके बाद मैं बीमार पड़ गया इसके इलाज में 39500 रुपए मेरे खर्च हो गए इसलिए अब यह पूरा पैसा तुम मुझे अदा करो वरना कानूनी कार्यवाही के लिए तैयार रहो । इस घटना से अब ये सबक लेना चाहिए कि दोस्ती में दगा बहुत महंगी पड़ सकती है ।बर्थडे वाले मित्र अब अपने वकीलों से सलाह ले रहे हैं कि हमारे दोस्त ने जो हमें नोटिस दिया है उसका हम क्या जवाब दें वकील भी पैसा मांग रहे हैं जवाब देने का, इससे अच्छा होता कि दोस्त को खाने पर बुला लेता तो ये दिन न देखने पड़ते।

सत्ता का साथ

हर नेता सत्ता के साथ रहना चाहता है क्योंकि उसको मालूम कि सत्ता के साथ रहेंगे तो फायदा ही फायदा है ,विरोध में रहने से कोई लाभ नहीं , चिल्लाते रहो कोई सुनने वाला नहीं, यही काम आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने किया, कल तक संसद में भारतीय जनता पार्टी को पानी पी पी कर कोसने वाले राघव चड्ढा जैसे ही भाजपा में आए उनकी पूरी वाणी बदल गई उनके मुखारविंद से बीजेपी की तारीफ के ऐसे ऐसे वाक्य निकलने लगे जो कभी उन्होंने अपने भीतर सोचे भी नहीं होंगे, वैसे भी सत्ता में रहने का फायदा क्या होता है ये सबके सामने है पंजाब से उनका नाम वोटर लिस्ट से कट गया पर क्या था सात दिन के भीतर वे दिल्ली के वोटर बन गए, सारी औपचारिकताएं पूरी हो गई और एक हफ्ते में दिल्ली की वोटर लिस्ट में शामिल हो गए, अब विरोधी चिल्ला रहे हैं कि लाखों लोग अपनी एप्लीकेशन लिए भटक रहे हैं कि उनका नाम वोटर लिस्ट से काट दिया गया है जबकि वे वोट देने के अधिकारी है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही । आप चिल्लाते रहो आपके चिल्लाने से क्या फर्क पड़ता है हां अगर सत्ता धारी दल से जुड़े होते

तो आपका नाम जुड़ जाता आप सत्ता में नहीं हो तो बिना वोट दिए अपना काम चलाते रहो और फिर दूसरी बात ये है कि हर कोई राघव चड्ढा तो है नहीं आप आम आदमी हो और आम आदमी की क्या हैसियत है ये हर कोई जानता है।

सुपर हिट ऑफ द वीक

शादी के वक्त सात फेरे लेते हुए तुमने वचन दिया था और ये भी स्वीकार किया था कि तुम मेरी इज्जत करोगी मेरी सब बातें मानोगी श्रीमान जी ने श्रीमती जी से कहा तो क्या इतने लोगों और रिश्तेदारों के सामने तुमसे बहस करती इसलिए कह दिया था श्रीमती जी ने उत्तर दिया।

शंकर मढ़िया की रिक्त भूमि पर सुलभ कॉम्प्लेक्स की मांग तेज, नगर परिषद पर गंभीर आरोप- 25-25 लाख के चार स्वीकृत कॉम्प्लेक्स का हिसाब कहां

छपारा, स्वतंत्र मत। छपारा नगर परिषद छपारा द्वारा शंकर मढ़िया मेन रोड स्थित दशकों पुरानी पानी की टंकी को तोड़ दिया गया है। टंकी टूटने के बाद मेन रोड पर एक कीमती भूमि पूरी तरह रिक्त पड़ी है। अब इसी रिक्त भूमि पर स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और राहगीरों द्वारा सुलभ शौचालय कॉम्प्लेक्स बनाने की जोरदार मांग उठ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शंकर मढ़िया छपारा का हृदय स्थल है। यहां दिनभर हजारों लोगों, बाजार आने वाले ग्रामीणों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं और राहगीरों का आना-जाना लगा रहता है। आसपास सार्वजनिक शौचालय की कोई व्यवस्था न होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, विशेषकर महिलाओं को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है।

25 लाख का अनुपयोगी निर्माण, भ्रष्टाचार छुपाने का आरोप

जागरूक नागरिकों ने नगर परिषद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि इरिगेशन कार्यालय के पास, बिजली विभाग के बगल में सुनसान जगह पर 25 लाख रुपये की लागत से एक सुलभ कॉम्प्लेक्स बना दिया गया है, जो बनने के बाद से ही बंद पड़ा है और पूरी तरह अनुपयोगी साबित हो रहा है।

नागरिकों का सीधा सवाल है - वहाँ कौन देख रहा है कि कैसा मटेरियल लगा है, कितने में बनाकर तैयार कर दिया गया और उसकी गुणवत्ता क्या है? सुनसान जगह पर बनाकर भ्रष्टाचार को छुपाने का प्रयास किया गया है। नागरिकों का कहना है कि वही कॉम्प्लेक्स यदि

सबके बीच, शंकर मढ़िया मेन रोड की इस रिक्त जगह पर बनता, तो भ्रष्टाचार पर कुछ अंकुश लगता, निर्माण की गुणवत्ता सबकी नजर में रहती और वह रोज हजारों लोगों के उपयोग में भी आता।

चार स्वीकृत, बने दो, वो भी बंद - मेंटेनेंस के नाम पर खेल?

इस मामले में और भी बड़ा खुलासा सूत्रों से हुआ है। सूत्रों के अनुसार नगर परिषद छपारा में चार स्थानों पर 25-25 लाख रुपये, यानी कुल 1 करोड़ रुपये के सुलभ कॉम्प्लेक्स स्वीकृत हुए थे। योजना के अनुसार एक कॉम्प्लेक्स बस स्टैंड पर और तीन नगर के मुख्य चौक-चौराहों - शहीद वार्ड, संजय कॉलोनी चौक और चमरिया पुल पर बनना प्रस्तावित थे। लेकिन हकीकत यह है कि चार में से सिर्फ दो ही निर्मित हुए हैं - शहीद वार्ड और संजय कॉलोनी चौक वाले, वे भी जहाँ बनना थे वहाँ नहीं बनाए गए। आरोप है कि ठेकेदार और पार्षदों के निजी लाभ के लिए जनता की सुविधा को दरकिनार कर, मनमानी जगह पर निर्माण कर दिया गया।

सूत्रों का तो यहाँ तक कहना है कि दोनों कॉम्प्लेक्स बंद पड़े हैं, जनता के उपयोग में नहीं हैं, इसके बाद भी नगर परिषद द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर पैसे निकाले गए हैं और आज भी निकाले जा रहे हैं।

विधानसभा तक गूंजा था मामला

बताया जाता है कि नगर परिषद के उक्त सुलभ कॉम्प्लेक्स घोटाले का मामला क्षेत्रीय विधायक ठाकुर रजनीश सिंह द्वारा विधानसभा में भी उठाया गया था, जिस पर तत्कालीन नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा जवाब दिया गया था।

अब एक बार फिर नागरिकों ने मांग की है कि चारों स्वीकृत सुलभ कॉम्प्लेक्स की फाइल, निर्माण स्थल में बदलाव, लागत और मेंटेनेंस के नाम पर निकाली गई राशि की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जनहित को देखते हुए शंकर मढ़िया की रिक्त पड़ी भूमि पर शीघ्र सुलभ कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाए।

सिवनी पुलिस युवा सृजन अंतर्गत पंचज कोचिंग में कैरियर मार्गदर्शन

सिवनी, स्वतंत्र मत। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के नवाचार युवा सृजन व संवाद कार्यक्रम की श्रृंखला में युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतू पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के कुशल मार्गदर्शन में प्रभारी पुलिस नियंत्रण कक्ष सिवनी निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे द्वारा सिवनी जिले की निःशुल्क कोचिंग पंचज विकास परिषद व उड़ान के संयुक्त तत्वावधान में उपस्थित अभ्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबंधित बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए अध्ययन,समय प्रबंधन व सफलता की कुशल रणनीति से रूबरू कराया गया, साथ ही विषय वार अध्ययन और अपने शिक्षा जीवन जुड़े से अनुभवों को सांझा करते हुए न सिर्फ एक दिवसीय परीक्षा बल्कि यूपीएससी,पीएससी,यूजीसी नेट-जेआरएफ,सेट इत्यादि परीक्षाओं की तैयारी को लेकर संवाद व

विस्तार से जानकारी सांझा की गई। सामान्य अध्ययन, सामान्य गणित, तार्किक ज्ञान, सामान्य हिंदी व अंग्रेजी भाषा की तैयारी को लेकर स्टडी मटेरियल और कैसे तैयारी करें, साक्षात्कार व व्यक्तित्व विकास, पुलिस, पैरामिलिट्री,भारतीय सेना हेतू शारीरिक मापदंड,और परीक्षण को लेकर संवाद किया गया।

वर्दी पर बढ़ा रुतबा, कंधों पर सजे नए स्टार : सिवनी पुलिस के चार अधिकारियों को मिली पदोन्नति

पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश पर निरीक्षक पद पर पदोन्नति ; एसपी कृष्ण लालचंदानी और एएसपी दीपक मिश्रा ने लगाए स्टार

सिवनी, स्वतंत्र मत। पुलिस परिवार के लिए गौरव और उत्साह का दिन रहा। पुलिस मुख्यालय भोपाल से जारी आदेश के तहत जिले में पदस्थ चार कार्यवाहक निरीक्षक एवं उपनिरीक्षकों को निरीक्षक पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। पदोन्नति के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित समारोह में अधिकारियों के कंधों पर नए पद के स्टार सजाए गए।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी (भापुसे) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा ने पदोन्नत अधिकारियों के कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पुलिस परिवार के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे और उन्होंने पदोन्नत अधिकारियों को बधाई दी।

चार अधिकारियों के कंधों पर सजे नए स्टार: पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में कार्यवाहक निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे, उपनिरीक्षक अंकिता जैन, उपनिरीक्षक रजनी नागभिडे एवं उपनिरीक्षक श्रोति शर्मा शामिल हैं। सभी को निरीक्षक पद पर पदोन्नति मिली है।

पद बढ़ा तो जिम्मेदारी भी बढ़ी

समारोह में एसपी कृष्ण लालचंदानी ने पदोन्नत अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने नई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और कर्तव्यपरायणता के साथ करने की अपेक्षा व्यक्त की। पदोन्नति के इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों में उत्साह का माहौल रहा। नए निरीक्षकों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

पीएसए ब्लॉक छपारा की नवीन कार्यकारिणी गठित, मोहम्मद तौफीक खान बने अध्यक्ष

छपारा, स्वतंत्र मत। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ब्लॉक छपारा की महत्वपूर्ण बैठक में संगठन की नवीन कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक में ब्लॉक के अशासकीय विद्यालयों के संचालकों एवं संगठन के सदस्यों की उपस्थिति रही। सदस्यों ने आपसी सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों की जिम्मेदारियां सौंपीं।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में मोहम्मद तौफीक खान को अध्यक्ष राजेश शिवहरे को कार्यकारी अध्यक्ष, श्रीमती कल्पना कुशवाहा को उपाध्यक्ष, प्रशांत ठाकुर को सचिव, कमलेश पटेल को सह-सचिव, शुभम सोनी को कोषाध्यक्ष तथा श्याम सुन्दर चौकसे को सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं संगठन की गतिविधियों एवं सूचनाओं के प्रसार के लिए मीडिया प्रभारी के रूप में शुभम सोनी, मोहम्मद तौफीक खान एवं प्रशांत ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई। कार्यकारिणी के मार्गदर्शन के लिए संरक्षक मंडल में संजय मसीह, प्रदीप कुमार, दिनेश अग्रवाल एवं श्रीमती मनीषा भार्गव को शामिल किया गया।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य छपारा विकासखंड के सभी अशासकीय विद्यालयों को एक मंच पर साथ लेकर विद्यालय संचालकों की समस्याओं के समाधान, विद्यालयों के हितों की रक्षा, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा शिक्षकों एवं विद्यालयों के विकास के लिए सामूहिक रूप से कार्य करना है। नई कार्यकारिणी के गठन पर उपस्थित सदस्यों एवं विद्यालय संचालकों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बैठक में उपस्थित सभी सम्माननीय सदस्यों एवं आगंतुकों का आयोजन को सफल बनाने में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

टी.ई.टी. परीक्षा से शिक्षकों को मुक्त करने की मांग, भठिया मंदिर में शिक्षकों ने लगाई अर्जी

रसमोहनी/जैतपुर (स्वतंत्रमत)। पी.एम.यू.एम.एस. शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर रविवार को जिले के भठिया स्थित आदि शक्ति जगत जननी सिंहवाहिनी माता मंदिर में टी.ई.टी. परीक्षा की अनिवार्यता से शिक्षकों को मुक्त करने की मांग को लेकर विशेष प्रार्थना सभा एवं अर्जी कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक चले कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 500 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया तथा शिक्षक हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद शिक्षकों ने शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से न्याय यात्रा निकालकर सिंहवाहिनी माता मंदिर पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर माता रानी के समक्ष अर्जी लगाई।

500 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रार्थना सभा में लिया हिस्सा, पुरानी पेंशन सहित विभिन्न मांगों को लेकर उठाई आवाज

टीईटी से मुक्ति सहित कई मांगें-पी.एम.यू.एम.एस. शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष शारदा प्रसाद सिंह ने कहा कि लंबे समय से शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे शिक्षकों के अनुभव, सेवा अवधि और शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुए उन्हें टी.ई.टी. परीक्षा की अनिवार्यता से मुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने, केंद्र के समान वेतनमान, वास्तविक नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता की गणना, नियुक्ति के प्रथम दिन से 100 प्रतिशत वेतनमान तथा परिवीक्षा अवधि दो वर्ष करने सहित अन्य मांगों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत शिक्षकों को संघ की गतिविधियों एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ने तथा नियमित सहयोग के लिए भी जानकारी दी गई।

एकजुटता से ही मिलेगी सफलता-शिक्षक शेषमणि सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों की मांगें न्यायसंगत हैं। शासन से अपेक्षा है कि शिक्षक हित में सकारात्मक निर्णय लेते हुए वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को टी.ई.टी. परीक्षा की अनिवार्यता से मुक्त किया जाए। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना लागू करने, नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता देने तथा ग्रेच्युटी एवं सेवानिवृत्ति संबंधी लाभ दिए जाने की मांग भी रखी। शिक्षकों ने सभी मांगों को जायज बताते हुए एकजुट होकर समर्थन किया और शासन से शिक्षक हित में निर्णय लेने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला कोषाध्यक्ष शारदा प्रसाद सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।न्याय यात्रा एवं प्रार्थना सभा में जिला प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा, आईटी सेल प्रभारी रमेश कुमार कुशवाहा, कोषाध्यक्ष शारदा प्रसाद सिंह, सचिव नागेंद्र कुमार पांडेय, जिला सह सचिव भुवनेश्वर पांडेय, ब्लॉक अध्यक्ष सोहागपुर आलोक कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष दीपक दुबेदी, ब्लॉक प्रभारी बुढ़ार आदित्य कुमार मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष बुढ़ार जितेंद्र तिवारी, जैतपुर तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह करचूली सहित जमुना पटेल, राकेश वर्मा, राजेश शुक्ला भूषणदास कुशवाहा, शंकर सिंह, शेषमणि सिंह, कृष्ण कुमार खांडेकर, मुन्नालाल उपस्थित थे।

सांसद निधि में अंधेरा

खन्नौधी में बिना टेंडर चहेती फर्म को पौने चार लाख का भुगतान

हाई मास्ट लाइट के नाम पर भंडार क्रय नियमों की बली

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले की गोहपारू जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत खन्नौधी एक बार फिर सरकारी बजट के संदेहास्पद आहरण को लेकर सुर्खियों में है। विकास कार्यों के नाम पर आने वाली सार्वजनिक निधि को ठिकाने लगाने के कथित हथकंडों के बीच इस बार सांसद निधि निशाना बनी है। जनसुविधा के लिए बस स्टैंड पर लगाई जाने वाली हाई मास्ट लाइट परियोजना में वित्तीय नियमों और पारदर्शी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर भुगतान किए जाने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है।

6.22 लाख की स्वीकृति-बस स्टैंड खन्नौधी में हाई मास्ट लाइट स्थापित करने हेतु सांसद निधि से कुल 6 लाख 22 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इस स्वीकृत राशि के एवज में ग्राम पंचायत द्वारा अब तक 3 लाख 77 हजार 516 रुपये की राशि का आहरण ग्राम पंचायत चिरांव स्थित आर्यन एंटरप्राइजेज नामक एक निजी एजेंसी के पक्ष में किया जा चुका है। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के बावजूद इस कार्य हेतु किस तारीख को निविदा आमंत्रित की गई या इसका विज्ञापन किस स्तर पर प्रकाशित हुआ, इसकी जानकारी स्थानीय स्तर पर पारदर्शी रूप से उपलब्ध नहीं है। मध्यप्रदेश भंडार क्रय नियमों का पालन किए बिना किए गए इस भुगतान ने संपूर्ण प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

क्या मापदंडों पर खरी उतरती है कार्यदायी संस्था-विद्युत एवं यांत्रिक विशेषज्ञों के अनुसार 12 से 16 मीटर ऊंचे हाई मास्ट लाइट टावर की स्थापना कोई सामान्य बिजली सुधार का कार्य नहीं है। इसके लिए कार्यदायी एजेंसी के पास तकनीकी एवं प्रशासनिक अर्हताएं होना अनिवार्य माना जाता है। एजेंसी के पास विद्युत सुरक्षा निदेशालय द्वारा जारी श्रेणी-ए अथवा ए-क्लास विद्युत ठेकेदारी

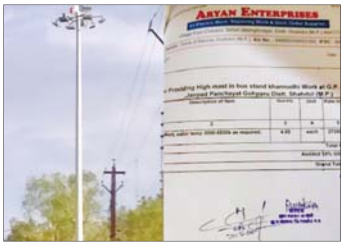

लाइसेंस होना आवश्यक है। संबंधित फर्म को कम से कम 3 से 5 वर्षों तक उच्च तीव्रता वाले विद्युत टावर स्थापित करने का कार्य अनुभव होना चाहिए तथा प्रयुक्त उपकरण बीआईएस मानकों के अनुरूप होने चाहिए। हाई मास्ट टावर के लिए हवा के दबाव की गणना, कंक्रीट नीव की तकनीकी जांच और हॉट-डिप गैल्वेनाइज्ड पोल का प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। क्षेत्रीय प्रबुद्धजनों का कहना है कि संबंधित पंचायत प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जिस एजेंसी को पौने चार लाख रुपये का भुगतान किया गया, क्या उसकी इन सभी तकनीकी मापदंडों पर विधिवत जांच की गई थी या केवल औपचारिक कागजात के आधार पर फाइल आगे बढ़ा दी गई?

कार्यशैली को लेकर उठते सवाल और पुरानी पदस्थापनाएं-पंचायत के प्रशासनिक चक्र में पदस्थ सचिव की कार्यप्रणाली पूर्व से ही चर्चा का विषय रही है। वर्तमान सचिव पूर्व में भी खन्नौधी में कार्यरत रहे हैं और तत्पश्चात रतहर पंचायत में पदस्थापना के दौरान भी विभिन्न वित्तीय आहरणों को लेकर स्थानीय स्तर पर आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं। ग्रामीणों के अनुसार रतहर पदस्थापना के दौरान पारिवारिक सदस्यों या नजदीकी व्यक्तियों के नाम पर कथित रूप से फर्मों का पंजीयन कराकर सामग्री आपूर्ति दिखाए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। अब पुनरू खन्नौधी में पदस्थापना के बाद सांसद निधि जैसे महत्वपूर्ण बजट में बिना प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया के भुगतान किए जाने से प्रशासनिक पारदर्शता पर गंभीर संदेह उत्पन्न हो रहा है।

भौतिक सत्यापन की आवश्यकता-सांसद निधि जनता के टैक्स का पैसा है, जिसका उपयोग क्षेत्र के सार्वजनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए किया जाता है। स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने जिला प्रशासन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मांग की है कि बस स्टैंड खन्नौधी में स्थापित हाई मास्ट लाइट की उच्च स्तरीय तकनीकी टीम से भौतिक गुणवत्ता जांच कराई जाए। आर्यन एंटरप्राइजेज को पूर्व में विभिन्न ग्राम पंचायतों से हुए सभी विद्युत संबंधी भुगतानों और उनकी निविदा प्रक्रियाओं का क्रॉस-वेरिफिकेशन कराया जाए। यदि भंडार क्रय नियमों या ई-निविदा प्रणाली का उल्लंघन पाया जाता है, तो जिम्मेदार प्रशासनिक कर्मचारियों पर सख्त वित्तीय नियमों के तहत कार्रवाई की जाए।

इनका कहना है............

मुझे जानकारी नहीं है इस मामले की, मैं दिखवाता हूँ

सुधीर दिनकर
सीईओ
जनपद पंचायत गोहपारू

इनका कहना है..........

हाई मास्ट लाईट कार्य का ए एस, टी एस एवं मुल्याकन हुआ है। इसके बाद भुगतान फर्म को जारी किया गया है।

चन्द्र शेखर सिंह सरना
सचिव ग्राम पंचायत खन्नौधी

मनीष त्रिपाठी बने सतना के नए सीएसपी

सतना। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय ने एक बार फिर पुलिस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल में सतना जिले का महत्वपूर्ण पद नगर पुलिस अधीक्षक सीएसपी भी शामिल है। सतना में लंबे समय से पदस्थ रहे सीएसपी देवेंद्र प्रताप सिंह चौहान का तबादला कर दिया गया है। वहीं उनकी जगह नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव अनुभाग में पदस्थ एसडीओपी मनीष त्रिपाठी को सतना का नया नगर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

राष्ट्रीय हिन्दी दिवस पर राष्ट्रीय कवि संगम शहडोल इकाई ने आयोजित की आभासी माध्यम पर काव्यांजलि

समूह में संगम के सदस्यों ने मौलिक रचनाओं से हिन्दी को समर्पित की भावांजलियाँ

शहडोल (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय कवि संगम, शहडोल इकाई द्वारा हिन्दी भाषा के प्रति प्रेम, सम्मान एवं गौरव की भावना को अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से आभासी माध्यम पर काव्यांजलि का आयोजन किया गया। यह आयोजन संगम के उक्त समूह के माध्यम से संपन्न हुआ, जिसमें संगम के कवियों एवं साहित्यकार सदस्यों ने सहभागिता करते हुए 'हिन्दी दिवस' विषय पर अपनी मौलिक रचनाओं के माध्यम से हिन्दी को भावांजलि समर्पित की। काव्यांजलि में रचनाकारों ने हिन्दी की महत्ता, उसकी गौरवशाली साहित्यिक परंपरा, भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में उसके योगदान तथा राष्ट्र की एकता और चेतना में हिन्दी की भूमिका को अपनी कविताओं, गीतों एवं दोहों छंदादि के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हिन्दी के उन निःस्वार्थ साधकों और साहित्यकारों के प्रति विशेष सम्मान व्यक्त किया गया, जो किसी पुरस्कार, आर्थिक लाभ, प्रसिद्धि अथवा सम्मान की अपेक्षा के बिना केवल हिन्दी को अपनी मुख्य भाषा मानकर निरंतर साहित्य-सृजन करते हैं और अपना पूरा जीवन हिन्दी की सेवा एवं साधना में समर्पित कर देते हैं। ऐसे रचनाकार अनेक बार मंचीय चमक-दमक और त्वरित प्रसिद्धि से दूर रहते हुए भी हिन्दी की साहित्यिक

परंपरा को जीवित रखने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। संगम सदस्यों ने कहा कि हिन्दी की वास्तविक सेवा केवल बड़े आयोजनों या सम्मान समारोहों तक सीमित नहीं है। वह कलम भी हिन्दी की सच्ची साधक है, जो बिना किसी प्रतिफल की अपेक्षा के वर्षों तक हिन्दी के लिए लिखती रहती है। ऐसे निःस्वार्थ एवं सुदूर रचनाकारों का समर्पण हिन्दी की अमूल्य धरोहर है और समाज को उनके साहित्यिक योगदान को पहचानने तथा सम्मान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय कवि संगम, शहडोल इकाई की इस पहल का उद्देश्य हिन्दी दिवस को केवल एक औपचारिक दिवस न बनाकर हिन्दी के प्रति निरंतर प्रेम, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को जागृत करना है।

सामाजिक माध्यम के माध्यम से आयोजित इस काव्यांजलि में सदस्यों ने हरितालिका तीज व गणेश चतुर्थी पर गृह पूजन करते हुए अपने-अपने घरों से ही साहित्यिक सहभागिता कर हिन्दी के प्रति अपने समर्पण को अभिव्यक्त किया। हिंदी भाषा की पोषक व समर्पित राष्ट्रीय कवि संगम की ओर से संदेश दिया गया कि हिन्दी केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, संवेदना और आत्मीयता की अभिव्यक्ति है। हिन्दी की सेवा करने वाले प्रत्येक निःस्वार्थ साहित्य साधक का सम्मान ही हिन्दी का वास्तविक सम्मान है। राष्ट्र जागरण धर्म हमारा के संकल्प के साथ राष्ट्रीय कवि संगम, शहडोल इकाई की यह काव्यांजलि हिन्दी के प्रति समर्पण और साहित्य-साधना की भावना को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक सार्थक पहल रही।

तीज पूजा के साथ गाजे–बाजे के साथ हुई गणेश प्रतिमाओं की स्थापना

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

सोमवार 14 सितंबर को हरितालिका तीज के पावन अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख–समृद्धि के लिए कठोर निर्जला व्रत रखा। महिलाएं इस पर्व पर पूरे दिन और रात बिना अन्न और जल (निर्जला) के रहती हैं। शिव–पार्वती की पूजारू घरों और मंदिरों में मिट्टी से भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की प्रतिमा बनाकर विधि–विधान से पूजा की जाती है।

यह व्रत माता पार्वती द्वारा भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए की गई कठोर तपस्या की याद में रखा जाता है।व्रती महिलाएं नए वस्त्र पहनकर सोलह श्रृंगार करती हैं और कथा सुनती हैं। नगर में गणेश उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने

को मिला। तीज पूजा के साथ ही विभिन्न स्थानों पर विधि–विधान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के अवसर पर नगर का वातावरण भक्तिमय नजर आया। नगर के मंगल भवन से नगरवासियों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को गाजे–बाजे और ढोल–नगाड़ों के साथ श्रद्धापूर्वक अपने–अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इस दौरान श्रद्धालु गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाते हुए उत्साह के साथ आगे बढ़े। जगह–जगह लोगों ने गणेश प्रतिमाओं का स्वागत किया। गणेश प्रतिमाओं को आकर्षक ढंग से सजाए गए पंडालों में स्थापित किया गया।

नगर के विभिन्न मोहल्लों एवं प्रमुख स्थानों पर गणेश उत्सव समितियों द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। स्थापना के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा–अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। गणेश उत्सव के चलते नगर में धार्मिक उल्लास का माहौल बना हुआ है।

जिला जेल में गणेश चतुर्थी का पावन पर्व धूमधाम से संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला जेल परिसर में गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना पूर्ण विधि–विधान और धार्मिक उत्साह के साथ की गई। इस पावन अवसर पर जेल परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा।कार्यक्रम के दौरान मुख्य आकर्षण श्री शारिब पूर्वांचली द्वारा दी गई विविध सांस्कृतिक और भक्तिमय प्रस्तुतियां रहीं, जिन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और बंदियों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर जेलर उप अधीक्षक माखन सिंह मार्को तथा प्रमुख मुख्य प्रहरी शिवशंकर कोल, मुख्य प्रहरी जगतनारायण पाण्डेय, प्रहरी मोहम्मद शारिब, प्रहरी रमन विश्वकर्मा, प्रहरी प्रवीण द्विवेदी, प्रहरी प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रहरी जगदीश प्रसाद सोंधिया सहित जिला जेल उमरिया के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें सभी ने सुख–समृद्धि एवं शांति की कामना की।

बिना लाइसेंस की पिस्टल रखने पर हुई कार्यवाही

उमरिया। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत बाजारपुरा में आरोपी के पास से बिना लाइसेंस की पिस्टल रखने व सही दस्तावेज प्रस्तुत नही करने पर पुलिस ने कार्यवाही की है।

पिपरिया उमरिया कॉलरी आज भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ की गेट मीटिंग संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत) – सोमवार 14 सितंबर को पिपरिया उमरिया कॉलरी में भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ (बीएमएस) द्वारा एक महत्वपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी श्रमिक साथियों से आगामी 15 एवं 16 सितंबर को होने वाले एकल सदस्यता सत्यापन में बढ़–चढ़कर भाग लेने तथा भारतीय मजदूर संघ को अपना महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करने की अपील की गई। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय महामंत्री नौमी शरण यादव, राजन साह, अतुल पुरी गोस्वामी, राजीव रंजन, राम बाबू सिंह, सुनील सिंह बघेल, अश्विनी पटेल, मनीष तिवारी सहित पिपरिया के हमारे अनेक श्रमिक साथी उपस्थित रहे। गेट मीटिंग में श्रमिक एकता, श्रमिक हित, संगठन की मजबूती तथा देश और कोयला उद्योग के विकास में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार रखे गए। साथ ही साथियों से अपील की गई कि वे अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करते हुए 15..16 सितंबर को एकजुट होकर सदस्यता सत्यापन में भाग लें और मजबूत, सकारात्मक एवं श्रमिक हितैषी संगठन भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ (बीएमएस) को अपना समर्थन दें।

समाज की एकजुटता और संगठन को मजबूत बनाने पर हुआ विस्तृत मंथन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। वैश्य महा सम्मेलन की संभागीय बैठक का आयोजन शहडोल स्थित पृथ्वीराज पैलेस में किया गया। संभागीय अध्यक्ष वैश्य महा सम्मेलन कीर्ति कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक की अध्यक्षता वैश्य महा सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल जी ने की। बैठक में समाज को अधिक संगठित एवं सशक्त बनाने तथा सामाजिक कार्यक्रमों में निरंतरता बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यदि समाज के कार्यक्रमों को निरंतरता, अनुशासन और मजबूत संगठनात्मक शक्ति के साथ आयोजित किया जाए, तो समाज निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। समाज के

प्रत्येक घटक को साथ लेकर चलना और आपसी समन्वय बढ़ाना संगठन की मजबूती के लिए आवश्यक है।वैश्व महा सम्मेलन एक व्यापक संगठन है, जिसमें 332 घटक शामिल हैं। संगठन का उद्देश्य समाज के विभिन्न घटकों को एक मंच पर लाकर सामाजिक एकता, सहयोग और संगठनात्मक मजबूती को बढ़ावा देना है। प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल जी के नेतृत्व में आयोजित इस संभागीय सम्मेलन में उमरिया जिले से संभागीय अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी, जिला अध्यक्ष ऋषि अग्रवाल, जिला प्रभारी प्रवीण गुप्ता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य महेश गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में समाज के आगामी कार्यक्रमों, संगठन के विस्तार तथा समाज के सभी घटकों को सक्रिय रूप से जोड़ने को लेकर भी विचार–विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाजहित में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा, शालिनी सरावगी, शंदेश जैन प्रदेश कार्यकारी अध्यक्षय भगवान दास. सत्यभामा. मनोज गुप्ता. पदम खेमका. ब्रजकिशोर गुप्ता मुकेश जैन मुकेश अग्रवाल शशि गुप्ता जवाहरलाल सोनी नरेश सिंघल गौरव गुप्ता अखिल अग्रवाल, परवेश अग्रवाल, भागचंद सोनी, प्रेमलता अग्रवाल, सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मानपुर बफर परिक्षेत्र में टाइगर की उपस्थिति, एक ग्रामीण घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र मानपुर बफर अंतर्गत टिपनिया हार, ग्राम सेमरी (सेमरी टोला, वार्ड नं.–02) में रविवार 13 सितंबर को टाइगर की उपस्थिति की सूचना मानपुर के वन अमले को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होते ही बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के स्थानीय वन अमले एवं समिति सदस्यों द्वारा मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को टाइगर की उपस्थिति वाले स्थान पर जाने से रोका गया तथा समझाइश दी गई कि टाइगर के समीप न जाएं। वन अमले की समझाइश के बावजूद कुछ ग्रामीण उत्सुकतावश टाइगर के पास जाने का प्रयास करने लगे। इसी समूह में शामिल शंकर पटेल पिता जानकी प्रसाद पटेल, उम्र 50 वर्ष, निवासी सेमरी टोला, मानपुर पर टाइगर ने हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ एवं पेट में हल्की चोट आई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व स्टाफ द्वारा तत्काल घायल को सिविल अस्पताल पहुंचाकर उपचार कराया गया, जहां उनकी स्थिति सामान्य है।

चाकू से गला रेतकर अस्पताल में हाई वोल्टेज ड्रामा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। नगर के भटेरा चौकी क्षेत्र के वार्ड नंबर–2 में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 32 वर्षीय युवक ने सब्जी काटने वाले चाकू से अपने ही गले पर वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। गंभीर रूप से घायल युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन यहां उसने उपचार कराने से इनकार कर दिया। करीब एक घंटे तक अस्पताल परिसर में युवक इधर–उधर भागता रहा, जिससे अफरा–तफरी की स्थिति निर्मित हो गई।बताया गया कि घायल युवक को उपचार के लिए मनाने चिकित्सक, अस्पताल चौकी पुलिसकर्मी, कोतवाली पुलिस स्टाफ, वार्डबाय और एंबुलेंस कर्मी उसके पीछे–पीछे घूमते रहे। सभी उसे इलाज कराने के लिए समझाते और मिन्नतें करते नजर आए, लेकिन युवक किसी की बात मानने को तैयार नहीं था। स्थिति बिगड़ती देख पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़कर काबू किया। इसके बाद उसके हाथ–पैर बांधकर चिकित्सकीय निगरानी में उपचार शुरू किया गया। युवक की

हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किए जाने की तैयारी की जा रही है।जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर–2 निवासी हरितोष दशरिये सोमवार 14 सितंबर को घर पर अकेला था। अज्ञात कारणों के चलते उसने सुबह 9 बजे क़रीब सब्जी काटने वाले चाकू से अपने गले पर वार कर लिया। घायल अवस्था में उसे देखकर पड़ोसियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सुबह 10 बजे क़रीब उसे जिला अस्पताल लेकर आई।

इधर, युवक की मां रेखाबाई ने बताया कि उनके दो बेटे थे। करीब 25 वर्ष पहले एक बेटे की सर्पदंश से मौत हो चुकी है, जबकि हरितोष उनके साथ रहता है। उन्होंने बताया कि वह रविवार को अपने मामा के घर गई थीं। सोमवार सुबह कुछ लड़कों ने आकर हरितोष द्वारा खुद पर चाकू से हमला करने की जानकारी दी। घर पहुंचने पर बेटा इधर–उधर भागता मिला और पुलिस उसे पकड़कर अस्पताल लेकर आई। उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी उन्हें भी नहीं है। पुलिस ने चाकू जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अध्यात्म से सुशासन और नशामुक्ति का संदेश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

सतगुरु देव श्री सतपाल जी महाराज के जन्मदिवस को भक्तजनों के माध्यम से मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम में मनाया गया जिसमें पूज्य महात्मा रामेश्वरी बाई जी व पूज्य महात्मा पद्मिनी बाई जी के द्वारा सारगर्भित आध्यात्मिक प्रवचन एवं श्री सतपाल जी महाराज की महिमा एवं उनके द्वारा समय–समय पर आध्यात्मिक जन जागरण यात्राओं का गुणगान किया गया उपस्थित भक्तजनों के माध्यम से सदगुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज की जय कहकर जन जागृति व सद्भावना के प्रति नारे लगाए गए। द्वेष भाव को दूर करो भारत को मजबूत करो, देश में शांति कैसे होगी आत्मज्ञान से, श्री सतपाल जी महाराज का एक ही नारा जागे भारत देश हमारा नारो से आश्रम परिसर गूंज उठा उक्त कार्यक्रम में पुलिस विभाग भरवेली थाने से भूपेंद्र पन्द्रो जी उपस्थित हुए जिन्होंने भौगोलिक ग्राम में नशा मुक्त ग्राम बनाए जाने हेतु महिलाओं के भागीदारी को परिवार हितेषी एवं ग्राम हितेषी व उद्देश्य से बताते हुए उपस्थित भक्त जनों को नशावर्ती से मुक्त रहने हेतु जागरूक किया गया एवं मानव कल्याण हेतु नशा से दूरी बनाने के लिए कहा गया उक्त आयोजन मे मानव उत्थान सेवा समिति आंवलाझरी बालाघाट के द्वारा आयोजित विभिन्न धर्म ग्रंथो पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजन के संबंध में उपस्थित भक्तजनों को बताया गया अंत में पूजा आरती कर भंडारा प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।आयोजित कार्यक्रम में भरवेली थाना प्रभारी श्री भूपेंद्र पंद्रे ने समाज में शांति, सदाचार और सुशासन की स्थापना के लिए अध्यात्म की भूमिका महत्वपूर्ण है। धार्मिक संतों ने कहा कि आत्मसंयम, सत्य, सेवा और सदाचार जैसे आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में अपनाने से व्यक्ति और समाज दोनों मजबूत बनते हैं।

घर के पास दिखा विशाल अजगर, वन विभाग ने सुरक्षित किया रेस्क्यू

उकवा(स्वतंत्र मत)।

ग्रामीण क्षेत्र में आबादी के समीप एक विशालकाय अजगर दिखाई देने से लोगों में हड़कंप मच गया। अजगर नजर आते ही ग्रामीणों ने इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी। इसके बाद वन विभाग के वनरक्षक सचिन पदमें एवं सर्प मित्र को जानकारी दी गई।सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को अजगर से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की समझाइश दी। टीम ने आसपास का क्षेत्र सुरक्षित करते हुए सावधानीपूर्वक अजगर का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि अजगर को किसी तरह की चोट न पहुंचे और ग्रामीण भी सुरक्षित रहें।अजगर को पकड़ने के बाद वन विभाग की टीम ने उसका निरीक्षण किया। स्वस्थ पाए जाने पर उसे आबादी क्षेत्र से दूर सुरक्षित वन क्षेत्र में ले जाकर प्राकृतिक रहवास में सकुशल छोड़ दिया गया। अजगर के सुरक्षित रेस्क्यू के बाद ग्रामीणों ने

राहत की सांस ली और वन विभाग की तत्परता की सराहना की। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की कि जंगल या ग्रामीण क्षेत्रों में अजगर, सांप अथवा अन्य वन्यजीव दिखाई देने पर स्वयं पकड़ने या भगाने का प्रयास न करें। पर्याप्त दूरी बनाए रखते हुए तत्काल वन विभाग को सूचना दें। वन्यजीवों का संरक्षण और मानव–वन्यजीव संघर्ष को रोकना सभी की जिम्मेदारी है।

जमुनिया डैम की पार में रिसाव से हड़कंप

2002 की त्रासदी की यादों से सहमें ग्रामीण, प्रशासन ने संभाला मोर्चा

बालाघाट/कटंगी(स्वतंत्र मत)। कटंगी तहसील की मध्यम सिंचाई परियोजना जमुनिया जलाशय की पार से लगातार पानी का रिसाव होने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया हैं। सोमवार सुबह जैसे ही यह खबर आग की तरह फैली, कटेरा, बनेरा, बोपली, अगासी, घुनाड़ी, सिरपुर, भजियापार जैसे गांवों में अफरा–तफरी मच गई। बड़ी संख्या में जनसमूह डेम पर पहुंचे और 24 साल पुराने उस काले दिन की चर्चा तेज हो गई, जब यही डेम फूटने से कटंगी का नाम पूरे देश में सुर्खियों में आ गया था। ग्रामीणों में दहशत का आलम यह रहा कि कई परिवारों ने आपातकालीन स्थिति को भांपते हुए घर का जरूरी सामान बांधना शुरू कर दिया है यह भी चर्चा है। ग्रामीणों का कहना है कि शनिवार से ही पार से पानी रिसता देखा गया था। इसकी सूचना जल संसाधन विभाग के स्थानीय कर्मचारियों को दी गई थी, लेकिन विभाग ने इसे गंभीरता से नहीं

लिया। सोमवार सुबह 11 बजे तक भी मौके पर विभाग का कोई भी कर्मचारी नहीं पहुंचा, तो ग्रामीणों में भयंकर आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी को सूचना दी। जिसके बाद यह मामला हाई–प्रोफाइल हो गया।

विधायक, एसडीएम, ईई ने लिया जायजा...

डेम पर क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी, एसडीएम विजय सिंह यादव, जिला पंचायत सभापति श्रीमती केसर बिसेन, वैनगंगा संभाग के कार्यपालन यंत्री योगेन्द्र सिंह ठाकुर, तहसीलदार पी.एल. सांडिया, एसडीओ डब्ल्यूआरडी सालिकराम बारेकर, उपयंत्री प्रकाश परते और थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुशराम दल–बल के साथ मौके पर पहुंच गए। दोपहर 1 बजे तक जल संसाधन विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच चुके थे। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कार्यपालन यंत्री से विस्तार से चर्चा की। कार्यपालन यंत्री ने विधायक को बताया कि यह रिसाव सीपेज का पानी हैं। अच्छी बात यह हैं कि पानी के साथ मिट्टी नहीं आ रही है, इसलिए फिलहाल डेम के फूटने जैसा कोई बड़ा खतरा नहीं है। यह एक सामान्य सीपेज है जो अक्सर जलस्तर बड़ने पर दिखाई देता हैं। एसडीएम विजय यादव ने भी अधिकारियों के साथ रिसाव स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा समय में डेम में साड़े 31 फीट जल भराव हो चुका हैं।

24 से 48 घंटे में घटेगा जलस्तर...

विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डेम के प्रेशर को कम करने के लिए मुख्य नहर और स्लूस गेट खोल दिए हैं। डेम का डेड़ फीट पानी नहर के माध्यम से निकालकर डोरली तालाब में पहुंचाया जा रहा हैं। विभाग का दावा है कि अगले 24 से 48 घंटों में डेम का जलस्तर सीपेज वाले लेवल से नीचे आ जाएगा, उसके बाद सीपेज के असली कारणों का पता लगाकर अग्रिम कार्रवाई शुरू की जाएगी। एसडीएम ने नागरिकों से अपील की है कि वह किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी और अफवाहों से बचें। उन्होंने कहा, स्थिति बिल्कुल सामान्य है, खतरे की कोई बात नहीं है।

सोशल मीडिया पर पाबंदी, संयुक्त टीम तैनात...

अफवाहों को रोकने के लिए प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया हैं। एसडीएम ने थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि किसी भी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को रिसाव स्थल पर न जाने दिया जाए, क्योंकि कई बार अधूरी जानकारी के साथ वीडियो वायरल करने से तनाव की स्थिति बनती है।

1901 का इतिहास, 2002 की त्रासदी...

बता दें कि जमुनिया जलाशय का निर्माण ब्रिटिश काल में वर्ष 1901 में हुआ था। आज से ठीक 24 साल पहले 20 अगस्त 2002 की रात यही जलाशय हल्के से रिसाव के बाद महज 2 घंटे में फूट गया था। उस रात कटंगी का नाम पूरे देश में चर्चा के केंद्र में आ गया था। सैकड़ों घरों में पानी घुस गया था, ग्रामीणों को रातों–रात घर–बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पनाह लेनी पड़ी थी। उस घटना का जख्म आज भी ग्रामीणों के दिलों में ताजा है। यही कारण है कि जब फिर से पाल से पानी रिसने की खबर मिली, तो लोग पूरी तरह से सहम गए। फिलहाल प्रशासन की मुस्तैदी से स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने पुलिस कंट्रोल रूम में ली अपराध समीक्षा बैठक

लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं अवैध शराब माफियाओं पर सख्त कार्यवाही के दिए निर्देश

आगामी त्योहारों गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा दीपावली को लेकर पूर्व तैयारियों सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के दिए सख्त निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम कटनी में जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डीएसपी हेडक्वार्टर, एसडीओपी स्लीमनाबाद सहित शहर एवं देहात के समस्त थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा प्रत्येक थाना क्षेत्र की अपराध स्थिति की आंकड़ोंवार एवं पृथक-पृथक समीक्षा की गई। इस दौरान थानों में दर्ज अपराध, लंबित अपराध, मर्ग, गुम इंसान, नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी, संपत्ति संबंधी अपराध, लघु अधिनियमों के प्रकरण, न्यायालय द्वारा जारी समंस एवं वारंटों की तामीली तथा धारा 173(8) एवं 299 के अंतर्गत फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सहित विभिन्न बिंदुओं पर थाना प्रभारियों के कार्य प्रदर्शन पर समीक्षा एवं विश्लेषण कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

आगामी त्यौहारों हेतु पूर्व तैयारियों को लेकर दिए निर्देश

पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी त्यौहारों जैसे गणेश चतुर्थी, गणेश विसर्जन, नवरात्रि, दुर्गा विसर्जन, दशहरा, दीपावली आदि प्रमुख पर्वों पर सुरक्षा के मद्देनजर पूर्व तैयारीयों को लेकर रोड मैप तैयार करने के निर्देश दिए। सभी थाना प्रभारियों को विभिन्न समितियों की जानकारी उनकी जांच, प्रतिमा पंडालों, जुलूस मार्गो, विसर्जन स्थलों एवं सभी संवेदनशील मुद्दो को ध्यान रखते हुए सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा निगरानी गुंडा-बदमाशों पर सतत निगरानी, सीसीटीएनएस से संबंधित कार्य, ई-विवेचना, ई-साक्ष्य, ई-एफआईआर, अवैध शराब एवं शराब माफियाओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई तथा एमडीपीएस-एनडीपीएस प्रकरणों में की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई।

न्यायालयीन प्रकरणों में समयसीमा का रखें विशेष ध्यान

पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि विवेचना पूर्ण होने के पश्चात निर्धारित समय-सीमा के भीतर न्यायालय में चालान प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। लंबित प्रकरणों की लगातार समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र निराकरण की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सागर जिले में जहरीली शराब से संबंधित घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने जिले में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों एवं शराब माफियाओं के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध शराब के स्रोत एवं नेटवर्क का पता लगाकर प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया गया।

पुराने लंबित मामलों के निराकरण एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर जोर

पुलिस अधीक्षक ने पुराने एवं लंबित अपराधों में फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा लंबित मामलों का जल्द से जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए। ऐसे प्रकरणों की राजपत्रित अधिकारियों द्वारा गंभीरता से मॉनिटरिंग कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

गंभीर एवं संगठित अपराधों पर विशेष निगरानी

एससी-एसटी अधिनियम से संबंधित प्रकरणों, गंभीर अपराधों एवं संगठित आर्थिक अपराधों में पुलिस अधीक्षक ने प्रकरणों की तह तक जाकर अपराध के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क एवं संगठित गिरोह का पर्दाफाश करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंभीर एवं संगठित अपराधों में केवल सतही कार्रवाई तक सीमित न रहते हुए अपराध की जड़ तक पहुंचकर आरोपियों एवं उनके सहयोगियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही- सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालन के लिए पुलिस अधीक्षक ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया कि अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निराकरण, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं कानून व्यवस्था से जुड़े सभी मामलों में गंभीरता, संवेदनशीलता एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ कार्य करते हुए आमजन को बेहतर एवं सुरक्षित पुलिसिंग उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। **फोटो : विकास गुप्ता**

मिट्टी से तैयार गणेश प्रतिमाओं की घरों में होगी स्थापना

गणेश उत्सव में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कटनी (स्वतंत्रमत) ।गणेश उत्सव में पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड कटनी द्वारा परामर्शदाता भारती बर्मन के नेतृत्व, नवांकुर संस्था साध्वी जन कल्याण समिति के समन्वय एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भनपुरा नंबर 1 के सहयोग से सेक्टर हीरापुर कौड़िया के ग्राम भनपुरा नंबर 1 में माटी गणेश, सिद्ध गणेश, अभियान के अंतर्गत हर घर गणेश, घर घर गणेश के उद्देश्य से मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने की सेक्टर स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित की गई। इस अवसर पर अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र, उप सरपंच अनिल पटेल, सचिव राजेश कुमार, सहायक सचिव मनोज पटेल, प्राथमिक शाला के प्रधानाचार्य रज्जु लाल, झाम सिंह परिहार, आरती नामदेव की उपस्थिति रही एवं कार्यक्रम में विशेष सहयोगी के रूप में प्राथमिक शाला की शिक्षक शिक्षिकाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुषमा पटेल एनवांकुर संस्था की अध्यक्ष साध्वी निगम, नवांकुर सखियों की सहभागिता रही। इस वर्ष विकासखंड स्तर के साथ-साथ सेक्टर स्तर पर भी यह प्रशिक्षण के आयोजन किया जा रहे हैं जिससे आम जन में पर्यावरण संरक्षण का यह संदेश पहुंचे। विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र ने आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हम सभी अपने-अपने घरों में मिट्टी से बनी गणेश जी की मूर्तियां स्थापित करें जिससे विसर्जन के बाद हमारे प्राकृतिक जल स्रोत प्रदूषित न हों और हमारी भावी पीढ़ी का भविष्य भी सुरक्षित रहे। प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई मूर्तियों की ही स्थापना करे।10 दिन तक उत्साह के रूप में पूजन और उत्सव मनाने के लिए, एवं घरों में गमले में या छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर मूर्तियों का विसर्जन करने के लिए प्रेरित किया।सेक्टर स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षक परामर्शदाता भारती बर्मन के द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को मिट्टी से गणेश जी बनाने की मूर्ति का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तत्पश्चात प्रतिभागियों ने स्वयं अपने हाथों से मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में जन अभियान परिषद से जुड़ी ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों एवं नवांकुर सखियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर सुमधुर भजनों के गायन के साथ अपने हाथों से गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं तत्पश्चात प्राथमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा बनाई गई मूर्तियों का अवलोकन करके उत्कृष्ट मूर्ति बनाने वाले छात्रों पुरस्कृत कर उत्साह वर्धन किया गया। प्रतिभागियों ने अभियान को पर्यावरण संरक्षण और भारतीय परंपरा से जोड़ते हुए मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लिया। इस सेक्टर स्तरीय आयोजन में ग्राम विकास प्रस्तुत समिति भानपुरा की अध्यक्ष राधा विश्वकर्मा, सचिव राजकुमारी चौधरी सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। **फोटो : विकास गुप्ता**

आत्म शुद्धी का पयूर्षण महापर्व कल से

कटनी (स्वतंत्रमत)। दिगम्बर जैन समाज के महापर्व, के 10 दिवसीय पर्वराज पयूर्षण 16 सितम्बर दिन बुधवार से प्रारंभ हो रहे है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुये बतलाया कि पंचायत महासभा के समाजसेवी अध्यक्ष संजय जैन एवं मंत्री विन्नी जैन ने बतलाया कि पर्व को उत्साह पूर्वक मनाने हेतु दिग. जैन पंचायत महासभा, दिग. जैन सोशल ग्रुप मैन, अखिल भारतवर्षीय दिग. जैन महिला परिषद् जिनाज्ञा परिवार, रात्रि कालिन पाठशाला, बालिका मण्डल, नवयुवक मण्डल, गुरूभक्त मण्डल, जैन मिलन दिग. जैन सोशल ग्रुप रॉयल, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिग, जैन बड़ा मंदिर, श्री 1008 चन्द्रप्रभ दिग.जैन सिंघई मंदिर, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिग.जैन कांच मंदिर श्री 1008 शांतिनाथ दिग.जैन रूंगटा कॉलोनी, श्री 1008 चन्द्रप्रभ बंगला मंदिर, श्री 1008 मुनिसुव्रत नाथ दिग.जैन गौशाला मंदिर, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिग.जैन हाउसिंग बोर्ड मंदिर, श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिग.चेतनोदय जैन मंदिर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ सभी समाजजनों ने तैयारी प्रारंभ कर दी है।

छात्र का ऑटो में छूटा बैग मिला

कटनी (स्वतंत्रमत) ।आज दिनांक को फरियादी धनंजय मिश्रा जो जिला सतना निवासी है एवं जिला कटनी में पॉलिटेक्निक के छात्र है कटनी स्टेशन में ऑटो से उतरते समय भूलवश उनका बैग ऑटो में ही छूट गया जिसमे उनके पढ़ाई से संबंधित जरूरी दस्तावेज एवं पढ़ाई से संबंधित किताबे वगैरह थी । उक्त फरियादी द्वारा सीसीटीवी कंट्रोल रूम पहुँच कर घटना की जानकारी दी गई । तत्काल सीसीटीवी टीम द्वारा फुटेज के माध्यम से ऑटो नंबर एमपी21जेडए0182 निकाल कर ऑटो चालक से संपर्क कर फरियादी का बैग बरामद कर सकुशल फरियादी के सुपुर्द किया गया।

फोटो : विकास गुप्ता

प्रथमेश्वर डिजिटल किताब का हुआ विमोचन

भगवान गणेश के जीवन से जुड़े अनछुए पहलुओं और 25 प्राचीन प्रसिद्ध मंदिरों का किया गया उल्लेख

पथरिया (स्वतंत्र मत)। गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रथम पूज्य भगवान गणेश के जीवन पर आधारित डिजिटल किताब प्रथमेश्वर का विमोचन किया गया। इस डिजिटल किताब का लेखन दमोह जिले के बांसा कलां निवासी अभिनव मुखुटी ने किया है। प्रथमेश्वर अभिनव द्वारा प्रकाशित दूसरी किताब है। इससे पहले वह तीखी बात नामक किताब का लेखन कर चुके हैं। किताब के संबंध में लेखक अभिनव मुखुटी ने बताया कि प्रथमेश्वर में भगवान गणेश के जीवन से जुड़े कई अनछुए पहलुओं पर विस्तार से लेखन किया गया है। इसमें भगवान गणेश द्वारा बोली गई गीता, गणेश जी का नारी स्वरूपए उनके आठ अवतार, उन्हें दूर्वा और मोदक क्यों चढ़ाए जाते हैं मोरिया शब्द क्यों बोला जाता है, मूषक ही गणपति जी का वाहन क्यों बना और वे एकदंत क्यों कहलाते हैंए जैसी कथाओं और मान्यताओं का उल्लेख किया गया है। इसके साथ ही भगवान गणेश के 25 प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में भी जानकारी दी गई है। किताब के मुख्य पृष्ठ के विमोचन के अवसर पर मंत्री एवं पथरिया विधायक लखन पटेल ने कहा कि इस किताब को पढ़ने से जनसामान्य के बीच फैली कई किंवदंतियों की पुष्टि हो सकेगी। साथ ही भगवान गणेश को लेकर हमारे मन में उत्पन्न होने वाले अनेक प्रश्नों के उत्तर भी इस किताब के माध्यम से मिल सकेंगे। वहीं भाजपा नेता अभिषेक भार्गव ने अभिनव मुखुटी द्वारा पांच वर्षों में किए गए संकलन का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रथमेश्वर डिजिटल रूप से 14 सितंबर गणेश चतुर्थी से लेकर 25 सितंबर, अनंत चतुर्दशी तक फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नि:शुल्क पढ़ने के लिए उपलब्ध रहेगी। भाजपा नेता सिद्धार्थ मलैया ने बताया कि 67 पृष्ठों की इस किताब में भगवान गणेश के जीवन से जुड़ी पौराणिक कथाओं से लेकर उनके प्रसिद्ध मंदिरों तक की जानकारी दी गई है।

अधीक्षण अभियंता ने बांसा वितरण केंद्र का किया औचक निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। अधीक्षण अभियंता दमोह अमित चौहान एवं कार्यपालन अभियंता दक्षिण संभाग दमोह एमएल साहू ने संयुक्त रूप से बांसा वितरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता ने स्वयं फील्ड में उपस्थित होकर बड़े बकायादारों से संपर्क किया तथा 80 हजार रूपये से अधिक बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेद किये गये। अधीक्षण अभियंता ने निरीक्षण के दौरान बांसा वितरण केंद्र प्रभारी को गणेश उत्सव एवं आगामी पर्यूषण पर्व के दौरान 24-7 के आधार पर सुचारू रूप से विद्युत व्यवस्था बनाये रखने एवं जहां-जहां बड़ी मूर्तियां स्थापित हैं वहां स्टाफ के माध्यम से नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बांसा वितरण केन्द्र की राजस्व वसूली की भी समीक्षा की गई।

कुठला पुलिस ने पकड़ी 61 लीटर अवैध शराब

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) द्वारा समाज को नशामुक्त बनाने व अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाहियां किए जाने निर्देशित किया गया है । जिनके निर्देश पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य व उप पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में कुठला पुलिस ने आटो में में 61 लीटर अवैध शराब तस्करी की खेप पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 13/09/2026 को थाना कुठला पुलिस द्वारा क्षेत्र में सूचना मिलने पर कि एक आटो में भारी मात्रा में शराब भरकर लमतरा ब्रिज तरफ आने की सूचना पर हमराह स्टाफ के रेड कार्यवाही की गई जो लमतरा ओव्हर ब्रिज के बगल से घटखिरबा रोड़ रेल्वे लाईन के किनारे रोड़ में घेराबंदी कर आटो क्रमांक एमपी21जेडजे8883 को पकड़ा गया पुलिस द्वारा स्वतंत्र साक्षियों की उपस्थिति में आटो में बैठे व्यक्ति से उनका नाम पता पूछने पर अपना नाम राजेश कुमार यादव पिता संजय यादव उम्र 32 वर्ष निवासी पिपरहटा हाल कन्हवारा थाना कुठला का रहने वाला बताया आटो की तलाशी लेने पर आटो के अन्दर बीच में रखे 7 कार्टून खाकी रंग के, कार्टूनो के अन्दर देशी मशाला / सफेद शराब पाई गई। 6 खाकी कार्टूनों में 50-50 पाव शराब तथा एक खाकी कार्टून जिसमें 42 पाव कुल 342 पाव देशी लाल एवं सफेद शराब भरी हुई थी । विधि अनुसार कार्यवाही की गई। बरामद शराब की कुल मात्रा 61.56 लीटर तथा अनुमानित कीमत लगभग 34,200 रुपये पाई गई । साथ ही घटना में प्रयुक्त आटो की कीमत लगभग 4 लाख रुपये आंकी गई। इस प्रकार कुल 4 लाख 34 हजार दो सौ रुपये मूल्य का मशरूका जप्त किया गया। मामले में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 833/26 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है तथा गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है जहाँ से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है । 7 पेटी पेटी प्लेन देशी शराब कुल 61.56 लीटर कीमती लगभग 34,200 रुपये, महिन्द्रा कम्पनी का इलेक्ट्रिक आटो क्रमांक एमपी21जेडजे8883 कीमती 4,00,000 रुपये, कुल जप्ती 4,34,200 रुपये। कार्यवाही थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में की गई जिसमें सहायक उप निरीक्षक श्यामनारायण सिंह, प्रधान आरक्षक राहुल मिश्रा, सुनील पाण्डेय, मोनी गुप्ता एवं अन्य स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है । **फोटो : विकास गुप्ता**

पंचायत मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल परिक्रमा पुस्तक विमर्श में होंगे सम्मिलित

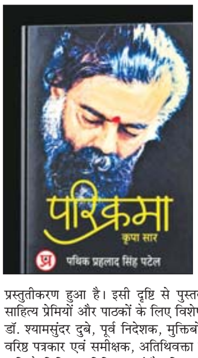

दमोह (स्वतंत्र मत)। ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के मंत्री एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रहलाद सिंह पटेल की विशेष उपस्थिति में उनकी कृति परिक्रमा कृपा सार पर साहित्यिक विमर्श का आयोजन 16 सितंबर को मानस भवन दमोह में दोपहर 3 बजे से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि परिक्रमा के कृतिकार स्वयं प्रहलाद सिंह पटेल हैं। पुस्तक में उनके अनुभवों, विचारों और जीवन दृष्टि का साहित्यिक एवं वैचारिक रूप से प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण हुआ है। इसी दृष्टि से पुस्तक पर होने वाला यह विमर्श साहित्य प्रेमियों और पाठकों के लिए विशेष महत्व रखता है। कार्यक्रम में डॉ. श्यामसुंदर दुबे, पूर्व निदेशक, मुक्तिबोध सृजन पीठ तथा नरेंद्र दुबे, वरिष्ठ पत्रकार एवं समीक्षक, अतिथिवक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे और कृति के विभिन्न साहित्यिक एवं वैचारिक पक्षों पर चर्चा करेंगे। मध्य प्रदेश लेखक संघ दमोह के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक इंजी. अमर सिंह राजपूत ने बताया कि नगर के गणमान्य नागरिकों, प्रबुद्धजनों, साहित्यकारों, पत्रकारों तथा साहित्य प्रेमियों की विशेष उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम साहित्य सृजन और साहित्यिक संवाद को नई दिशा एवं प्रेरणा प्रदान करेगा।

जिले के कृषकों व नागरिकों से कलेक्टर ने की अपील

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत आज 15 सितम्बर को प्रात: 11 बजे कृषि उपज मण्डी प्रांगण में आयोजित होने जा रहे जिला स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव में जिले के सभी कृषकों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से बढ़.चढ़कर भाग लेने की अपील की है। कलेक्टर श्री यादव ने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से शामिल होकर कृषकों से सीधा संवाद करेंगे और मार्गदर्शन देंगे। उन्होंने आयोजन में क्षेत्र के सभी प्रमुख जनप्रतिनिधिगण प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता करने की अपील की है। कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 प्रगतिशील कृषकों तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के 10 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्नत कृषि यंत्रोंए तकनीकी नवाचारोंए जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

गणपति स्थापना समारोह आयोजित

दमोह (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय न्यास, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पंजीकृत नि:शक्त व्यक्ति अभिभावक संघ जबलपुर द्वारा संचालित प्रेरणा विशेष शिक्षा संस्थान एवं पुनर्वास केंद्र दमोह प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता एवं मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश के पावन पर्व एवं गणेश चतुर्थी के आगमन पर संस्था में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ गणपति स्थापना समारोह आयोजित किया गया। इस पावन पर्व पर अध्यक्ष अभय दुबे द्वारा भगवान श्री गणेश जी की विधिविधान एवं श्रद्धापूर्वक स्थापना की गई। इस अवसर पर संस्था के विशेष बच्चे एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्री गणेश जी से सुख, शांति, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की। गणपति स्थापना के पश्चात विशेष बच्चों को प्रसाद का वितरण किया गया। बच्चों ने बड़े उत्साह एवं आनंद के साथ प्रसाद ग्रहण किया और गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

हरदूटोला में कच्ची शराब के अड्डे पर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

दमोह (स्वतंत्र मत)।

पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादगी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले के रजपुरा थाना क्षेत्र के हरदूटोला गांव में कच्ची शराब के अड्डों पर पुलिस ने बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की है। हटा एसडीओपी कृष्णपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस की टीमो ने यहां छापेमारी कार्यवाही के दौरान 53 लीटर कच्ची शराब बरामद करते हुए 415 किलोग्राम महुआ लहान नष्ट किया है। हटा केपी सिंह के नेतृत्व में रजपुरा, मंगरोंन, पटेरा मडियादो सहित दमोह पुलिस की स्पेशल टीमों ने मौके पर पंहुचकर रविवार सुबह 4 बजे से कार्यवाही की। रजपुरा थाना क्षेत्र के हरदूटोला में अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए 5 अलग-अलग प्रकरणों में 5 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के प्रकरण दर्ज किए गए।

शिक्षक को मिला राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले के शासकीय हाई स्कूल बरधारी में पदस्थ शिक्षक बलिराम अहिरवार माध्यमिक शिक्षक को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा प्रशासनिक अकादमी भोपाल के ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर
पत्रांक/सं.क.-03/एम/2026-27/254
दिनांक 11/09/2026

-:भवन नामांतरण सूचना:-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रवीण कुमार व्यास पिता स्व. श्री प्रकाश राजाराम व्यास (संपत्ति पिन नं.-10005 93569) ने भवन क्रमांक प्लॉट नं. 370/522, वार्ड शहीद गुलाब सिंह, भूतल 1650 वर्गफुट, प्रथम तल 875 वर्गफुट, मृत्यु प्रमाण पत्र/शपथ पत्र/सहमति पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त प्लॉट नं. 370/522, वार्ड शहीद गुलाब सिंह, गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री श्रीमति प्रतिभा व्यास पति स्व.श्री प्रकाश राजाराम व्यास के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर संभागीय कार्यालय क्र.-3 शक्ति भवन रोड रामपुर नगर निगम जबलपुर में प्रमाण एवं दस्तावेज सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक -03 रामपुर
नगर निगम, जबलपुर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि फर्म मेसर्स शिवशंकर सॉ मिल प्रो. श्रीमती सरजू भाई पति आ. स्व. श्री तोफान लाल पता सिरोंज वार्ड नंबर 10 जिला विदिशा मध्य प्रदेश उनके स्वामित्व की एक नग (आरा मशीन) अनुज्ञप्ति क्रमांक 1026102600026 मेक वर्ष 1988 (माननीय उच्चतम न्यायालय में प्रेषित सूची में क्रमांक 6 क्षमता 15 HP है वर्तमान में 2024-2026 तक नवीनीकृत है। वर्तमान में स्थापित स्थल सिंक रोड सिरोंज वार्ड क्रमांक 10 जिला विदिशा मध्य प्रदेश के नाम से पंजीकृत है। उक्त आरा मशीन लाइसेंस का स्थानांतरण स्थान परिवर्तन कर जहां पर आरा मशीन स्थापित करना है पता शहपुरा भिटौनी चरगवा रोड जबलपुर मध्य प्रदेश के नाम पर दर्ज कराया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना की प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर अपनी प्रमाण सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। एवं स्थानांतरण/ हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्ण कर दी जावेगी।

निवेदक श्री नरेंद्र कुमार
आ. स्व. श्री मुन्नालाल रजक
पता. शहपुरा भिटौनी जबलपुर

▶▶ गोराबाजार थाने का मामला, जांच में जुटी पुलिस

आर्मी कैम्पस के अंदर कर्मचारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोराबजार थाने में हेड क्वाटर एमबी एरिया कैंप लाईन रूम नम्बर 8 में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाने की सूचना पर पहुंची पुलिस को लेंस नायक दीपक कुमार ग्राम बुलखाना जिला झज्जर हरियाणा ने बताया वह लेंस नायक के पद मध्य भारत एरिया आर्मी में पदस्थ है। सुबह कैंप लाईन में दवाई छिड़कवा रहा था तभी केम्पस लाईन के रूम नम्बर 8 में दवाई छिड़कने के लिये दरवाजा खोला अंदर देखा अनूप पिल्लई उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम पटाई टेकेधरी जिला कुलम केरल वर्तमान पता टाईमप्रेरी डियूटी डाक जीएस ब्रांच आर्मी रूम के अंदर सीलिंग फेन से काला वायर से फांसी लगाकर मृत अवस्था में लटका था। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

▶▶ लार्डगंज थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने शुरू की जांच

सड़क किनारे खड़ा ई-रिक्शा हुआ चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सड़क किनारे खड़ा एक ई रिक्शा चोरी हो गया। इस मामले में लार्डगंज थाने में मोहम्मद अतर अंसारी उम्र 25 वर्ष निवासी आजादनगर मोहरिया ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह आटो रिक्शा चलाता है। विगत दिवस वह नमाज पढ़ने बड़ी ईदगाह गेट के बाहर रानीताल में अपना ई रिक्शा को खड़ा कर अंदर चला गया था। दोपहर के समय जब ईदगाह से बाहर आकर देखा उसका ई रिक्शा नहीं था । आसपास तलाश करने पर नहीं मिला कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। पुलिस ने अज्ञात चोर की तलाश शुरू कर दी है।

पर्युषण पर्व के दौरान 2 घंटे देरी से ऑफिस जा सकेंगे हाईकोर्ट के कर्मचारी

मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर रजिस्ट्रार ने जारी किया आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने पर्युषण पर्व पर अपने जैन कर्मचारियों को एक खास सुविधा दी है। दरअसल मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर जारी आदेश के तहत, जैन धर्म मानने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को 15 से 26 सितंबर तक ऑफिस में 2 घंटे देरी से आने की छूट मिलेगी।

यह आदेश मप्र हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ने 14 सितंबर को जारी किया है। जिसके बाद अब कर्मचारी सुबह 10 बजे के बजाय दोपहर 12 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज करा पाएंगे। यह नियम मप्र हाईकोर्ट के साथ-साथ इंदौर और ग्वालियर पीठों और संबंधित न्यायिक कार्यालयों में भी लागू रहेगा।

जबलपुर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल धर्मेंद्र सिंह ने यह आदेश 14 सितंबर को जारी किया था। आदेश में साफ किया गया है कि कर्मचारियों को दी जा रही इस विशेष छूट से कोर्ट के रोजमर्रा के कामकाज पर कोई बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। आदेश की कॉपी इंदौर और ग्वालियर पीठों, मध्य प्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी और सभी संबंधित विभागों को जरूरी कार्रवाई के लिए भेजी गई हैं।

इसलिए दी गई छूट दी गई

जैन समाज के लिए पर्युषण पर्व का बहुत खास और पवित्र महत्व है। श्वेतांबर परंपरा में यह पर्व आठ दिनों तक चलता है। इस दौरान श्रद्धालु उपवास, पढ़ाई, ध्यान और गहन आत्मचिंतन करते हैं। पर्व के आखिर में संवत्सरी मनाई जाती है, जिसमें लोग पिछले साल की गलतियों के लिए एक-दूसरे से मिच्छामि दुक्कड़ं कहकर माफी मांगते हैं और मनमुटाव खत्म करते हैं। मप्र हाईकोर्ट के इस फैसले से कर्मचारियों को अपनी सुबह की धार्मिक आराधनाओं में आसानी से शामिल होने का मौका मिलेगा। यह आदेश न केवल कर्मचारियों को अपने धार्मिक काम ठीक से करने की सुविधा देता है, बल्कि कार्यस्थल पर उनके प्रति सम्मान और सहानुभूति का संदेश भी देता है।

हाइवा को ओवरटेक करते समय अनियंत्रित हुई बाइक, एक की मौत

मझगवां थाना क्षेत्र का मामला, एक की हालत गंभीर

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मझगवां थाना क्षेत्र में सिहोरा-सिलौंडी रोड पर फनवानी गांव के पास रविवार रात हाइवा को ओवरटेक करने के दौरान बाइक अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गई। हादसे में बाइक चला रहे सचिन केसरवानी (29) की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त रवि कनौजिया (32) गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के मुताबिक आगा चौक उजारपुरा गली नंबर-1 निवासी सचिन अपने दोस्त रवि के साथ बाइक से जबलपुर से मझगवां रिश्तेदारी में जा रहा था। रात फनवानी के पास आगे चल रहे हाइवा को ओवरटेक करने के प्रयास में बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई। बाइक हाइवा से टकराकर करीब 20 मीटर तक सड़क पर फिसल गई। हादसे में सचिन को गंभीर चोटें आई, जबकि रवि भी घायल हो गया। ग्रामीणों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सिहोरा अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने सचिन को मृत घोषित कर दिया। रवि की हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस ने रात में सचिन के परिजनों को सूचना दी। सुबह पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद रेत से भरे हाइवा को उसका चालक खुद मझगवां थाने लेकर पहुंचा और वाहन खड़ा कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्राहकों को परोसा जा रहा था बासा चावल, मिला प्रतिबंधित एनालॉग चीज़

राइट टाउन स्थित सागर गेरे रेस्टोरेन्ट में खाद्य विभाग ने दी दबिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थों का विक्रय रोकने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा होटल, रेस्टोरेंट एवं खाद्य सामग्री के विक्रय प्रतिष्ठानों के आकस्मिक निरीक्षण का अभियान लगातार जारी है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने बताया कि अभियान के अंतर्गत सोमवार को राइट टाउन स्थित सागर गेरे का निरीक्षण किया गया। यहां बिरयानी के लिए एक दिन पूर्व का बना हुआ चावल उपयोग किया जाना पाया गया। इसके साथ ही किचन में साफ सफाई भी नहीं पाई गई।

जांच के लिए भेजे गए सैम्पल

खाद्य सुरक्षा अधिकारी के अनुसार इन अनियमितताओं के लिए सागर गेरे को धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां स्टोर में प्रतिबंधित एनालॉग चीज भी पाया गया, जिसे भोजन निर्माण में उपयोग करना बताया गया। मौके पर एनालॉग चीज एवं सौंफ के सैंपल लिए गए है। शेष 19 किलो चीज के पैकेट जब्त कर लिए गये हैं। इसी प्रकार शिकायत प्राप्त होने पर राइट टाउन स्थित विशाल मेगा मार्ट से सूजी एवं दलिया के पैकेट सैंपल जांच के लिए गए है। सभी सैंपल परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एसपी की पाठशाला के 10 छात्र बने सब-इंस्पेक्टर

एसपी ने विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर पुलिस की पहल एसपी की पाठशाला एक बार फिर सफल रही है। पुलिस लाइन में दी जा रही इस मुफ्त कोचिंग में पढ़ाई और शारीरिक प्रशिक्षण लेने वाले 10 अभ्यर्थियों का चयन मप्र पुलिस में सब-इंस्पेक्टर (एसआई) के पद पर हुआ है। इस उपलब्धि पर 14 सितंबर को पुलिस कंट्रोल रूम में एक कार्यक्रम हुआ। इस दौरान एसपी सम्पत उपाध्याय ने सभी चुने गए युवाओं को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में काजल गुप्ता, अंजनी भूमिया, सुप्रिया यादव, स्मिता ठाकुर, प्रयास नामदेव, अनुराग तंतुवाय, योगेश सिंह राजपूत, शुभम सिंह शामिल हैं। इनके अलावा जीआरपी जबलपुर के आरक्षक आशीष आर्य और दिल्ली पुलिस की महिला आरक्षक प्रीति पटेल भी हैं। इस दौरान एसपी सम्पत उपाध्याय ने कहा कि कड़ी मेहनत से ही यह मुकाम हासिल हुआ है। एसपी की पाठशाला की शुरुआत साल 2020 में उस समय के एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा ने की थी। यह पुलिस परिवार और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं और मैदानी ट्रेनिंग के लिए मुफ्त सुविधा देती है। इसके अच्छे मार्गदर्शन का पता इसी बात से चलता है कि साल 2021 से अब तक कुल 359 अभ्यर्थी अलग-अलग सरकारी नौकरियों में चुने जा चुके हैं।

हिंदी को राजभाषा बनाने सेठ गोविंददास ने समर्पित किया अपना पूरा जीवन

सीनियर सिटीजन क्लब में हिंदी दिवस पर आयोजित हुए कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हिंदी दिवस के अवसर पर सीनियर सिटीजन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और राजभाषा के सम्मान का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अभिनेता लक्ष्मण सिंह चौहान एवं सुनीता चौहान द्वारा प्रस्तुत नाटक ने सदस्यों और दर्शकों को खूब गुदगुदाया। नाटक के दौरान दर्शक हंसी से लोटपोट होते नजर आए और कलाकारों को जमकर तालियां मिलीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलकत्ता हाईकोर्ट एवं तेलंगाना हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल थे। उन्होंने कहा कि जबलपुर आकर और सीनियर सिटीजन क्लब में आकर बेहद खुशी हुई। उन्होंने कहा कि उन्हें कल्पना नहीं थी कि क्लब के सदस्यों को इतना ऊर्जावान, उल्लासपूर्ण और आनंदमय वातावरण मिल सकता है। उन्होंने अपने पुराने अनुभवों को याद करते हुए बताया कि जब वे हैदराबाद में जज थे, तब री निगम से उनका पुराना परिचय हुआ था। क्लब के संयोजक एसके निगम ने कहा कि हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। उन्होंने बताया कि सेठ गोविंददास ने जबलपुर के सांसद रहते हुए संसद में हिंदी को राजभाषा बनाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने हिंदी के समर्थन में अपना पद्म भूषण पुरस्कार तक वापस कर दिया था। श्री निगम ने कहा कि हिंदी राजभाषा होने के बावजूद लोग केवल एक दिन हिंदी दिवस मनाते हैं, जबकि हिंदी का प्रयोग पूरे 365 दिन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस के अवसर पर भी आधी अंग्रेजी का प्रयोग होना एक बड़ी विडंबना है।

प्रदेश भर के बूथों पर आयोजित होंगे कार्यक्रम एक माह तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भाजपा हर वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन पर 'सेवा पखवाड़ा' मनाती है लेकिन इस बार 07 अक्टूबर को प्रधानमंत्री एक संवैधानिक प्रमुख (मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री) के रूप में 25 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसलिए हमने जन सेवा और समर्पण के इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हमने एक महीने का सेवा संकल्प अभियान मनाने का निर्णय लिया है, यह बात मप्र तीर्थ एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष विनोद गोंटिया ने भाजपा कार्यालय रानीताल में आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कही। पत्रकार वार्ता में सांसद आशीष दुबे, महानगर जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी आदि उपस्थित रहे। श्री गोंटिया ने बताया भाजपा मप्र द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चलाएगा। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर प्रदेश भर में सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। श्री गोंटिया ने बताया 17 सितंबर को शाम 7 बजे आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम प्रदेश के सभी 71930 बूथों पर आयोजित किया जाएगा। 2 अक्टूबर को प्रदेशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश के सभी जिलों में भव्य आयोजन किया जायेगा, जबलपुर के ग्वारीघाट में 1 लाख दीपक जलाकर दीपोत्सव मनाया जायेगा। प्रदेश के सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए सेवा कार्यों और विकसित भारत की संकल्पना पर चित्रकारी, ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उत्कृष्ट चित्रों और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

ट्रेन से गिरकर घायल हुआ यात्री रेलवे ने पहुंचाई त्वरित मदद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर मंडल के अंतर्गत ट्रेन संख्या 22366 में ड्यूटी पर तैनात गार्ड की सतर्कता एवं रेलकर्मियों की तत्परता से गुर्रमखेड़ी स्टेशन के समीप ट्रेन से गिरकर घायल हुए यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। प्राप्त सूचना के अनुसार राघवेन्द्र सिंह, पिता हनुमान सिंह, उम्र 35 वर्ष, निवासी कुसवार, थाना सिमरिया, जिला रीवा (मध्य प्रदेश) गुर्रमखेड़ी स्टेशन से ट्रेन के प्रस्थान के बाद गिरकर घायल हो गए थे। ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने यात्री को घायल अवस्था में देखा और तत्काल इसकी सूचना संबंधित रेलकर्मियों को दी। गार्ड की सूचना पर गुर्रमखेड़ी स्टेशन से स्ट्रेचर मंगवाया गया तथा सफाईकर्मी एवं आरपीएफ स्टाफ की सहायता से घायल यात्री को ट्रेन के गार्ड कोच में सुरक्षित बैठाया गया। इसके पश्चात गार्ड द्वारा ट्रेन को आवश्यकतानुसार रुकवाकर घायल यात्री को पिपरिया स्टेशन तक लाया गया। पिपरिया स्टेशन पहुंचने पर वाणिज्य विभाग के स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य एवं आरपी एफ स्टाफ द्वारा इसे अटेंड किया गया एवं तुरंत शासकीय चिकित्सालय एंबुलेंस से पहुंचाया गया।

इंजीनियर्स डे पर होंगे विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

इंजीनियर्स डे के अवसर पर सर विश्वेश्वरैया इंजीनियर्स फोरम, जबलपुर द्वारा 17 सितंबर को एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश केमंत्री राकेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जबलपुर के महापौर जगत बहादुर सिंह करेंगे। इंजीनियर्स डे का मूल उद्देश्य देश और समाज के विकास में इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना तथा आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण निर्माण और सुनियोजित विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर समुदाय के योगदान को सम्मानित करना है। इस अवसर पर जबलपुर के वर्तमान विकास, भविष्य की आवश्यकताओं तथा शहर को आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं विकसित शहर के रूप में आगे बढ़ाने के विषय पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। इंजीनियर्स फोरम का मानना है कि जबलपुर में उपलब्ध प्राकृतिक, ऐतिहासिक, शैक्षणिक एवं औद्योगिक संभावनाओं को उचित योजना और आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक के साथ जोड़कर शहर को विकास की नई दिशा दी जा सकती है।

युवाओं, विद्यार्थियों से जुड़े विषयों पर संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है 'छात्रों की गूंज'

एलईडी स्क्रीन के माध्यम से छात्र देख सकेंगें कांग्रेस नेता राहुल गांधी का कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आगामी 19 सितम्बर को इंदौर में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर जबलपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के समस्त ब्लॉक अध्यक्षों, ब्लॉक कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, नगर कांग्रेस कार्यकारिणी, वार्ड अध्यक्षों तथा बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ व्यापक संवाद स्थापित किया गया। बैठक को नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने संबोधित किया। श्री शर्मा ने आगामी 19 सितम्बर को इंदौर में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के उद्देश्य, युवाओं एवं विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों तथा संगठन की भूमिका पर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से चर्चा की।

आयोजन को सफल बनाने की अपील - बैठक में निर्णय लिया गया कि जबलपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर एलईडी स्क्रीन स्थापित कर इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों के लिए किया जाएगा। इसके माध्यम से अधिक से अधिक युवा, विद्यार्थी एवं आमजन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संदेश को सीधे सुन सकेंगे। श्री शर्मा ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज देश का युवा शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, अवसरों और अपने भविष्य को लेकर अनेक सवालों के साथ खड़ा है। ऐसे में युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाना कांग्रेस की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे 19 सितम्बर के कार्यक्रम को जनभागीदारी के साथ सफल बनाएं तथा राहुल गांधी के युवाओं के नाम संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। श्री शर्मा ने कहा कि 'छात्रों की गूंज' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं और विद्यार्थियों से जुड़े विषयों पर संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने पश्चिम विधानसभा के सभी ब्लॉक, वार्ड एवं बूथ स्तर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाने तथा अधिक से अधिक युवाओं एवं आमजन को इससे जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता संजय राठौर, मनोज पाटकर, रवि कोष्टा, अनुभा शर्मा, नगर कार्यकारिणी पदाधिकारी संगठन मंत्री रितेश बंटी गुप्ता, उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, टिंकू रील, महासचिव मिंटू मिश्रा, सचिन बाजपाई, सचिव श्रेष्ठ ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष बलवंत सिंह गुर्जर, सलिल चौकसे आदि उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**